www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 217 I भोपाल, रविवार 6 अगस्त 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

भारत सरकार | आज़ादी का अमृत महोत्सव | INDIAN RAILWAYS

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

मध्य प्रदेश के 34 स्टेशनों का भी होगा पुनर्विकास

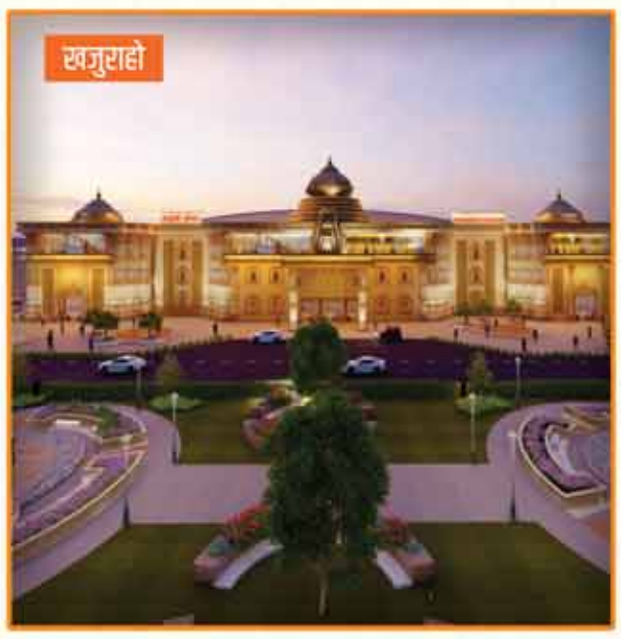

₹25 हजार करोड़ की लागत से 508 स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास
मध्य प्रदेश के 34 स्टेशन ₹982 करोड़ की लागत से बनेंगे आधुनिक

- स्टेशन का शहर के सिटी सेंटर के रूप में होगा विकास, जहाँ होंगे रूफ प्लाज़ा, शॉपिंग ज़ोन, फूड कोर्ट, चिल्ड्रन प्ले एरिया जैसी कई सुविधाएँ
- यात्रियों की सहूलियत के लिए होंगे अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, मल्टी-लेवल पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, ट्रेवलेटर, एग्जीक्यूटिव लाउंज, वेटिंग एरिया, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ
- कनेक्टिविटी के मल्टी-मॉडल एकीकरण से पुनर्विकसित स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक प्रगति के केंद्र

मध्य प्रदेश के पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशन

आमला जं.	दमोह	गुना जं.	कटनी जं.	मुलताई	रुठियाई जं.	श्रीधाम
बानापुरा	देवास जं.	हरदा	कटनी मुड़वारा	नर्मदापुरम	संत हिरदाराम नगर	सिहोरा रोड
बैतूल	गाडरवारा	इटारसी जं.	कटनी साउथ	नेपानगर	सागर	विदिशा
ब्यावरा-राजगढ़	गंज बासौदा	जुन्नार देव	खजुराहो	पांढुरना	शामगढ़	विक्रमगढ़ आलोट
डबरा	घोड़ाडोंगरी	करेली	मैहर	रीवा	शिवपुरी	

परियोजना का शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) 6 अगस्त, 2023, सुबह 11 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

रावसाहेब पाटिल दानवे
केन्द्रीय राज्यमंत्री, रेल, कोयला और खान मंत्रालय

दर्शना जरदोश
केन्द्रीय राज्यमंत्री, रेल एवं वस्त्र मंत्रालय

DD NEWS पर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देखें

कुलपति के कमरे के पास पहुंची बाघिन, कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के कलियासोत के पास जागरण यूनिवर्सिटी में एक बाघिन शनिवार तड़के कुलपति के कमरे के पास पहुंच गई। इससे कर्मचारी दहशत में आ गए। उन्होंने भागकर जान बचाई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बाघिन टी-123 के चार शावक भी है, मां के साथ ही घूमते हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि संभवत: बाघिन शिकार की तलाश में अंदर आ गई। तीन दिन पहले भी उसने एक जंगली जानवर का शिकार किया था। बाघिन के मूवमेंट के बाद से ही वन विभाग का अमला यूनिवर्सिटी के अंदर गश्त कर रहा है और विशेषज्ञ भी इसदौरान मौजूद हैं। एसडीओ आरएस भदौरिया ने बताया कि विश्वविद्यालय पसिर की तार फेंसिंग ऊपर-नीचे है। इसलिए प्रबंधन को समझाइश दी गई है कि वे फेंसिंग ठीक करवा लें। रविवार को टीम फिर से फेंसिंग की जानकारी लेगी। उसे व्यवस्थित कराया जा सके। वन अधिकारियों ने बताया कि बाघिन के 2 शावक ढाई साल के हो चुके हैं, जो अब अपना एरिया बढ़ा रहे हैं। केरवा-कलियासोत इलाके में उनका मूवमेंट देखने में आता है। वहीं 2 अन्य शावक करीब 8 महीने के हैं वे बाघिन के साथ ही रहते हैं। शावकों की खुराक भी बढ़ी है। इसलिए हर दूसरे-तीसरे दिन बाघिन और शावक शिकार कर रहे हैं।

कूनो में शिकार करने आए 10 शिकारी गिरफ्तार

श्योपुर, देशबन्धु। कूनो अभ्यारण्य में शिकार करने आए 10 शिकारियों को गिरफ्तार किया है। ये शिकारी श्योपुर सहित गुना, राजस्थान के हैं। वन विभाग ने शिकारियों से हथियार भी बरामद किए हैं।

जानकारी के मुताबिक वन परिक्षेत्र कराहल करियादेह के आरक्षित वनक्षेत्र में अवैध कटाई कर अतिक्रमण करने एवं अवैध शिकार का प्रयास करने वाले 10 शिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से 2 नग कुल्हाड़ी एवं वन्य पक्षियो का शिकार करने हेतु गोफन व शिकार हेतु वनक्षेत्र में लगाये गये 5 फंदे जप्त किये। सभी शिकारियों को न्यायालय में पेश किया गया है। पकड़े गए आरोपियों में लालजी पुत्र धूलिया पटेलिया उम्र 80 वर्ष ग्राम सलैयाराय तह बमौरी जिला गुना, रामसिंह पुत्र तेजिया भील, उम्र 53 वर्ष ग्राम हाडौता, जिला बारां, हाबू पुत्र मधु भिलाला, उम्र 32 वर्ष ग्राम मरेठा कराहल, जिला श्योपुर, बासू पुत्र किशना भील, उम्र 45 वर्ष ग्राम रानीपुरा, जिला बारा, शेखू पुत्र रणसिंह भिलाला, उम्र 40 वर्ष ग्राम गोपालपुरा गुना, मगन पुत्र छगन भिलाला उम्र 35 वर्ष ग्राम मदनपुर, भूरसिंह पुत्र रीछो भिलाला उम्र 55 वर्ष ग्राम सेमरा जिला बारां, सुरेश पुत्र नवलसिंह मिलाला उम्र 44 वर्ष ग्राम देवरी तह, शाहबाद, जिला बारां, खेमला पुत्र धन्ना पटेलिया, उम्र 58 वर्ष ग्राम कलेसरी तह, गुना जिला गुना, प्रेमा पुत्र कोदर पटेलिया उम्र 75 वर्ष ग्राम डोंगरी गुना हैं।

जूनियर डाक्टरों की हड़ताल समाप्त, चिकित्सा शिक्षा मंत्री के कहने पर काम पर लौटे

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल के गांधी मेडिकल कालेज की डा बाला सरस्वती आत्महत्या के मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज जूनियर डाक्टरों ने हड़ताल समाप्ति की घोषणा कर दी। इसके बाद प्रदेश भर के जूनियर डाक्टर अब काम पर वापस लौट आए हैं। जूनियर डाक्टरों ने एचओडी डा. अरुणा कुमार को गांधी मेडिकल कालेज से हटाने की मांग कर रहे थे। अन्य मेडिकल कालेज का समर्थन मिलने के बाद शनिवार से प्रदेशव्यापी हड़ताल शुरू हो गई थी। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने की जूनियर डाक्टरों के साथ चर्चा की। उन्होंने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया, इसके बाद शनिवार शाम के छह बजे जूनियर डाक्टर के अध्यक्ष डा.संकेत सीते ने हड़ताल समाप्ति करने की घोषणा कर दी। भोपाल जूडा के अध्यक्ष डा.सीते ने बताया कि उनकी चर्चा चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के आश्वासन के बाद हड़ताल को समाप्त किया गया है। उन्होंने सभी दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि जूनियर डाक्टरों के हड़ताल में जाने के कारण परेशानियां होने लगी थी।

रविवार को गांधी मेडिकल कॉलेज में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की जूनियर डॉक्टर डॉ. बाला सरस्वती ने सुसाइड कर लिया था। 5 दिन सें साथी जूनियर डॉक्टर हड़ताल कर रहे थे। भोपाल में डॉ. बाला सरस्वती के मां-पापा और बड़ी बहन भी हड़ताल में शामिल हुए। डॉ. बाला सरस्वती की मां सुजाता राव ने काह, हम सिर्फ न्याय चाहते हैं। डॉ. अरुणा कुमार को यहां से हटाया जाए, ताकि किसी दूसरी बच्ची के साथ ऐसा न हो। नंदिनी, पल्लवी, अपूर्वा, रेखा ने भी बेटी को टॉर्चर किया। शाहजहांनाबाद पुलिस स्टेशन में कंप्लेन की है।

बड़ी बहन लक्ष्मी ने कहा, हफ्ते में तीन बार 36 घंटे ड्यूटी कराते थे। बहन को इसमें काई मुश्किल नहीं थी। खुशी से काम करती थी। लेकिन, उसे इसके बाद भी बोला जाता था कि डॉक्टर बनने के लायक नहीं हो। प्रेग्नेंट इसलिए हो गई, क्योंकि कामचोर बनना है। पिता वेंकटेश्वर राव ने कहा, यह सिर्फ हमारी नहीं, सारी बेटियों का सवाल है।.

इंदौर दुग्ध संघ बनाएगा 3 गुना अधिक मिल्क पाउडर

अतिरिक्त दूध को दिलायेगा अतिरिक्त आय

भोपाल , देशबन्धु। इंदौर दुग्ध संघ द्वारा परिसर में प्रदेश का सबसे बड़ा 30 एमटीपीडी क्षमता का नवीन दुग्ध चूर्ण (मिल्क पाउडर) संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। लगभग 77 करोड़ रूपये से स्थापित होने वाले प्रदेश के इस सबसे बड़े संयंत्र में शुक्रवार को सबसे महत्वपूर्ण भाग ड्राइंग चेम्बर की स्थापना अत्यंत सावधानी और सुरक्षा के साथ सफलतापूर्वक की गई। संयंत्र स्थापना का लगभग 27 करोड़ रूपये दुग्ध संघ स्वयं के स्त्रोत से और 50 करोड़ रूपये राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से जीका (जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी) परियोजना के ऋण से किया जा रहा है।

इंदौर दुग्ध संघ द्वारा वर्ष 1982 से 10 एमटीपीडी क्षमता के दुग्ध चूर्ण संयंत्र द्वारा मिल्क पाउडर का उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान संयंत्र से एक किलो मिल्क पाउडर की लागत 28 से 30 रूपये प्रति किलोग्राम आती है। वहीं विश्व स्तरीय कंपनी टेट्रापेक के इस नवीन संयंत्र की स्थापना से यह लागत मात्र 15 से 18 रूपये प्रति किलोग्राम तक कम हो जाएगी, साथ ही मिल्क पाउडर की गुणवत्ता और बेहतर हो जाएगी।

पशुपालन मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने बताया कि इंदौर दुग्ध संघ के इस संयंत्र में मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के अन्य दुग्ध संघों के सरप्लस मिल्क (अतिरिक्त दुग्ध) से भी न्यूनतम लागत के गुणवत्तायुक्त दुग्ध चूर्ण का उत्पादन हो सकेगा। पशुपालकों को इससे अतिरिक्त लाभ मिलेगा। किसानों से अधिक दूध खरीदा जाकर उन्हें उसका उचित दाम मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

कार्बन उत्सर्जन में शोध के लिए आर के डी एफ ने किया सीएसआईआर के साथ करार

भोपाल, देशबन्धु। रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन (आर के डी एफ) विश्वविद्यालय भोपाल तथा काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन पर आईआईटी मुंबई में हस्ताक्षर किए गए। इस एम ओ यू पर सीएसआईआर की ओर से प्रोफेसर आर पी सिंह, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली तथा आरकेडीएफ विश्वविद्यालय भोपाल की ओर से कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल तथा डायरेक्टर जनरल रिसर्च प्रोफेसर वी के सेठी ने हस्ताक्षर किए। डॉ महेश कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर, नई दिल्ली) एवं डॉ अर्पित भार्गव (एसोसिएट प्रोफेसर, आरकेडीएफ, भोपाल) संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। अन्य उपस्थित सदस्यों में प्रो एस शिवराम (अध्यक्ष, सीएसआईआर, सी सी एस मिशन), प्रो आर एस शर्मा, प्रो मनोज के धर, (निदेशक, ऐ सीएसआईआर, नई दिल्ली), डॉ विक्रम विशाल (एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी मुंबई) एवं प्रो आर वैद्यनाथन (जे एन सी ऐ एस आर बेंगलुरु) प्रमुख है। इस करार के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कार्बन कैप्चर प्लांट में सीएसआईआर के वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर संयुक्त शोध कार्यक्रम संचालित करेंगे। विश्वविद्यालय का कार्बन कैप्चर प्लांट विश्व के महत्वपूर्ण पायलट प्लांट की उस श्रेणी में आता है जिसमें उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कार्बन मोनोऑक्साइड में परिवर्तित कर उससे ईंधन गैस के निर्माण तथा मैथिल अल्कोहल बनाने की दिशा में कार्य किया जाना प्रस्तावित है इस अनुबंध के बाद सीएसआईआर की विभिन्न प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक भोपाल आकर पायलट प्रोजेक्ट के संसाधनों का उपयोग भारत के उस प्रयास में सहयोग प्रदान करने के लिए करेंगे जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। इस प्रकार आरकेडीएफ विश्वविद्यालय अब पूर्ण महत्वपूर्ण संस्थानों में शामिल हो गया है जो राष्ट्रीय स्तर की शोध परियोजना में अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ साधना कपूर, समूह के चेयरमैन डॉ सुनील कपूर, प्रो चांसलर सिद्धार्थ कपूर, एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ श्रुति कपूर, विश्वविद्यालय के डीजीएम डॉ बी एन सिंह, कुलसचिव डॉ एनके लारिया, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर सुनील पाटील, डीन छात्र कल्याण डॉक्टर रत्नेश जैन, प्रशासनिक अधिकारी योगराज सिंह आदि ने इस उपलब्धि पर अपनी बधाई प्रेषित की है।

शहीद सैनिकों की वीर नारियों का सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। सुदर्शन चक्र कोर बैरागढ़ सैन्य स्टेशन पर देश और देशवासियों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों की वीर नारियों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष परिवार कल्याण समिति, मुख्यालय पश्चिम मध्यप्रदेश उपक्षेत्र द्वारा ऑपरेशन, ऑरचिड में शहीद होने वाले सीएफएन स्व. रामस्वरूप की पत्नी श्रीमती सविता देवी, ऑपरेशन रक्षक के शहीद सिग्नल मैन स्व. रमेश कुमार की पत्नी लक्ष्मी बाई, सिक्किम भू-स्खलन राहत कार्यों में शहीद नायक स्व. दिनेशचंद्र की पत्नी श्रीमती गुणमाला देवी और आसाम के रिह्नो ऑपरेशन में शहीद नायक चन्द्रभूषण अवस्थी की पत्नी श्रीमती शांति देवी को सम्मानित किया।

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE P.B. NAIKWAD, MEMBER M.A.C.T.-1, 4th FLOOR, (G+9) Annex Building, Room No. 402, DISTRICT COURT CIVIL LINES, NAGPUR

C. P. No. 990/2018

Fixed For : 08/09/2023 Process No. 4590

Petitioner : Bharti -Versus- Respondent : Pramod

To,
Pramod Purushottam Sharma,
R/o Morena Kerhav Colony,
Madhya Pradesh.

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/sec. 166 of Motor Vehicle Act for Rs. 1,00,000/- & U/Sec. 140 of Motor Vehicle Act for Rs. 50,000/-.

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble P. B.Naikwad, Member, M.A.C.T. -1, Nagpur** in person or by a pleader duly instructed on **Dated 08/09/2023 at 11.00 A. M.** to show cause in the said above noted Claim Petition failing where in the said petition will be heard and determined experte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **17th day of July, 2023.**

Seal **Registrar (Judl.) M.A.C.T., Nagpur.**

Vision4media 9767867322

केन्द्रीय मंत्रियों ने मुरैना जिले के पोरसा और अंबाह में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

सरकार की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाएं पार्टी कार्यकर्ता : तोमर

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित दल है। हम सभी को संगठित होकर अपने बूथ की मजबूती के लिए प्रयास करना चाहिए। हमारी केंद्र व राज्य सरकारों ने गरीब कल्याण की अनेकों योजनाएं लागू की हैं। उन योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाएं और जनता से जीवंत संपर्क रखते हुए 2023 और 2024 में होने वाले चुनावों में जीत हासिल करें। यह बात केंद्रीय मंत्री व मध्यप्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव तथा केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्रसिंह तोमर ने शनिवार को मुरैना जिले की पोरसा एवं अंबाह विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर कहा कि चुनाव का समय नजदीक है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता सक्रिय होकर बूथ में संपर्क करें। जिस प्रकार बीते चुनाव में आप सभी कार्यकर्ताओं ने कमल के फूल को अपना प्रत्याशी मानते हुए पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाई, उसी तरह इस बार भी उससे बड़ी जीत हासिल करने का प्रयास करें। श्री तोमर ने कहा कि बूथ हमारे संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। इसलिए सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाते हुए कार्यक्रम आयोजित करें। पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क करें तथा चुनाव के काम में उनका मार्गदर्शन और सहयोग लें। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को दिलाएं तथा इन योजनाओं के हितग्राहियों से लगातार संपर्क रखें। हम इन गरीब कल्याण की योजनाओं और कार्यकर्ताओं की मेहनत से चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री श्री रामरूप सिंह तोमर एवं नगर मंडल अध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता ने किया।

केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दें : भूपेंद्र यादव

केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी श्री भूपेंद्र यादव ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित दल है। हमारा प्रत्याशी कोई भी हो, लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारा प्रत्याशी कमल का फूल है, जिसे जीत दिलाने के लिए हमें पूरे समर्पण के साथ परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए काम करना है। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर संगठन का कार्य करना है और जनता में भारतीय जनता पार्टी सरकारों के लोककल्याणकारी योजनाओं को बताना है। हमें बूथ स्तर पर पहुंचकर प्रत्येक कार्यकर्ता से संपर्क कर तथा जनता का समर्थन हासिल करते हुए चंबल क्षेत्र में अधिक से अधिक विधानसभा सीटें जीतने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह से यह प्रतीत होता है कि आने वाला विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी चंबल संभाग की सभी सीटों पर भारी बहुमत से विजयी होगी।

कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सम्मेलन में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ योगेश पाल गुप्ता, जिला संयोजक श्री वल्लभ दंडोतिया, विधानसभा संयोजक श्री गजेंद्र सिंह तोमर, विधायक कमलेश जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष पोरसा श्रीमती अंजलि जैन, अंबाह नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमा देवी तोमर, जनपद अध्यक्ष पोरसा श्रीमती अनुराधा देवेश तोमर, जनपद अध्यक्ष अंबाह श्रीमती मधुरिमा तोमर, पूर्व विधायक कमलेश सुमन, सत्यप्रकाश सखबार, साहिब सिंह तोमर, जीनेश जैन सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

G20 उत्तर रेलवे आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल अभियंता-II रेलवे नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए नई निविदा आमन्त्रित की जाती है जो दिनांक 29.08.2023 को 15:00 बजे मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एन्ट्री रोड, नई दिल्ली में खोली जाएगी।

कार्य का नाम	A)	DSA-SMQL-SRE खंड पर कासिमपुर खीरी और बावली स्टेशनों के बीच नए यात्री हॉल्ट स्टेशन "जिवाना" का उद्‌घाटन।
	B)	ADEN/GZB के तहत प्लेटफार्म 1 (सिंगल लाइन) पर गोकुलपुर सबोली हाल्ट (GPSL) में प्लेटफार्म को निम्न स्तर से बढ़ाकर उच्च स्तर पर ले जाने का प्रावधान।
अनुमानित लागत		21 (A,B)-23-24-W-2 IREPS पर निविदा सूचना के अनुसार
धरोहर राशि		21 (A,B)-23-24-W-2 IREPS पर निविदा सूचना के अनुसार
कार्य समापन अवधि		21 (A,B)-23-24-W-2 IREPS पर निविदा सूचना के अनुसार
निविदा प्रपत्र का मूल्य		21 (A,B)-23-24-W-2 IREPS पर निविदा सूचना के अनुसार
समान कार्य की परिभाषा		21 (A,B)-23-24-W-2 IREPS पर निविदा सूचना के अनुसार

नोट:-1. निविदा प्रपत्र की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** दिनांक- 08.08.2023 से 29.08.2023 के 15:00 बजे तक डाउनलोड कर सकते है। 2. निविदा सम्बन्धी अन्य जानकारी टेंडर दस्तावेज से देख सकते है। **NIT No. 21(A,B)-23-24-W-2 दिनाँक: 04.08.2023 2417/2023**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एचडीएफसी बैंक लि. HDFC BANK We understand your world

प्लॉट नं. 9, तीसरी मंजिल, स्टार प्लेनेट बिल्डिंग, एम.पी. नगर, झोन-2, भोपाल, म.प्र.-462011.

आधिपत्य सूचना

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने एचडीएफसी बैंक लि. का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता **के/अ अभिव्यक्ति कार्पोरेशन (आवेदक) श्रीमती आरती शर्मा, श्री विपिन शर्मा (सह-आवेदक)** को मंगनी करते हुए मांग सूचना पत्र दिनांकित **09.05.2023** उक्त सूचना पत्र की प्राप्ति दिनांक से 60 दिनों के भीतर **रूपये 1,10,24,081.21 (रु. एक करोड़ दस लाख चोविस हजार इक्यासी एवं इक्कीस पैसा मात्र)** दिनांक **09.05.2023** को एवं ब्याज एवं पेनल ब्याज, अन्य चार्जेस व खर्चे सहित सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का **सांकेतिक आधिपत्य** दिनांक **01 अगस्त, 2023** को ग्रहण कर लिया है।

ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता को विशेषत: एवं सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार **रूपये 1,10,24,081.21 (रु. एक करोड़ दस लाख चोविस हजार इक्यासी एवं इक्कीस पैसा मात्र)** एवं ब्याज व पेनल ब्याज, चार्जेस एवं अन्य खर्चो सहित दिनांक **09.05.2023** से राशि के लिए एचडीएफसी बैंक लि. के प्रभार के अधीन होगा।

अचल संपत्ति का पूर्ण विवरण

फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नं.डी-2/192 पर निर्मित एक मकान, भूमि रेवेन्यू सर्वे नं.395, 396/1, 396/2, 409/1, 409/2, 411/1. 411/2 का भाग, दानिश नगर, ग्राम बावडिया कालन, वार्ड नं.53, दानिश हाउसिंग कॉ-ऑप सोसाईटी मर्यादित, तेहसील हूजुर, जिला भोपाल (म.प्र.), प्लॉट क्षेत्रफल 3012 वर्गफीट, **चर्तुसीमा :** पूर्व : प्लॉट नं.डी-2/205, पश्चिम : रोड़, उत्तर : रोड़, दक्षिण : प्लॉट नं.डी-2/193

दिनांक : 06.08.2023
स्थान : भोपाल

ह/- प्राधिकृत अधिकार एचडीएफसी बैंक लि.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 217 । भोपाल, रविवार 6 अगस्त 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

सार-समाचार

तीरंदाजी : विश्व चैंपियनशिप में अदिति ने जीता स्वर्ण

बर्लिन, एजेंसी। युवा भारतीय तीरंदाज अदिति स्वामी और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने विश्व तीरंदाज़ी चैंपियनशिप की महिला कंपाउंड एकल प्रतियोगिता में शनिवार को क्रमश: स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किए। पिछले महीने जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाली अदिति फाइनल में मेक्सिको की आंद्रेया बेकेरा को 149-147 से हराकर सीनियर विश्व चैंपियनशिप में एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गयीं। इससे पूर्व, 17 वर्षीय अदिति ने सेमीफाइनल में अपनी हमवतन ज्योति को 149-145 से हराया। ज्योति ने हालांकि इस हार से शानदार तरीके से उभरते हुए कांस्य पदक मैच में तुर्कीये की इपेक तोमरुक को 150-146 से मात दी।

ज्योति सुरेखा वेन्नम हासिल किया कांस्य

ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे फिर शुरू

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने से रोकने की अंजुमन इंतजामिया मसाजिद समिति की याचिका शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद शनिवार को मुस्लिम पक्ष एएसआई टीम के समर्थन में आगे आया और मस्जिद परिसर का ताला खुलवाकर सर्वे के काम को शुरू कराया। एएसआई टीम के 30 से अधिक सदस्य सुबह लगभग आठ बजे मस्जिद परिसर पहुंचे थे।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने की आत्महत्या

कोटा, एजेंसी। राजस्थान के कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में एक ओर कोचिंग छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस महीने के पहले चार दिन में शहर में किसी कोचिंग छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत की यह दूसरी घटना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को किसी समय बिहार के मोतिहारी जिले के रहने वाले कोचिंग छात्र बार भार्गव मिश्रा (17) ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

महबूबा मुफ्ती ने घर में नजरबंद करने का आरोप लगाया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य स्थिति के केंद्र के दावों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें उनके घर में नजरबंद कर दिया गया है। केंद्र ने वर्ष 2019 में आज ही के दिन संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो गया था। साथ ही राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पुनर्गठित कर दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर में आए भूकंप के हल्के झटके

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में शनिवार को एक के बाद एक भूकंप के दो हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप का पहला झटका सुबह आठ बजकर 36 मिनट पर महसूस किया गया जिसका केंद्र पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला में दर्ज किया गया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग से 184 किमी दूर पश्चिमोत्तर में 35.46 आक्षांश और 73.32 देशांतर पर सतह से 129 किमी की गहराई पर था। दूसरा झटका 10 बजकर 24 मिनट पर आया जिसका केंद्र अफगानिस्तान में था। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.8 मापी गई।

असम में 30 किलो गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम पुलिस ने शनिवार को गुवाहाटी में तीन संदिग्ध ड्रग डीलरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 30 किलोग्राम गांजा जब्त किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, एक विशेष कार्य बल और पुलिस टीम ने शहर के खानापारा इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया। अधिकारी ने कहा कि जब्त ड्रग्स की कीमत विदेशी बाजार में लगभग 15 लाख रुपए है।

टीकमगढ़ जिले के जतारा में लाड़ली बहना सम्मेलन में बोले शिवराज

मैं सवा करोड़ लाड़ली बहनों का भाई हूं

- छूटी हुई बहनों का अगले महीने पंजीयन किया जायेगा
- केन-बेतवा परियोजना से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर

टीकमगढ़, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में शुरू की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना केवल योजना ही नहीं, बल्कि बहनों का जीवन बदलने का अभियान है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को धनराशि दिलाने के साथ मन में विश्वास और आत्म-सम्मान भी बढ़ाया है। बेटी के बगैर जीवन-चक्र नहीं चल सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए बालिका और महिला केन्द्रित महत्वाकांक्षी योजनाएँ मध्यप्रदेश सरकार ने शुरू की है। प्रदेश में इस योजना का लाभ एक करोड़ 25 लाख बहनों को मिल रहा है, जिनके बैंक खाते में प्रतिमाह की 10 तारीख को 1000 रूपये की राशि जमा कराई जा रही है। योजना के दूसरे चरण में 21 से 23 साल की बहनों का पंजीयन किया जा रहा है। अगले माह छूटी हुई बहनों का पंजीयन किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान टीकमगढ़ जिले की जतारा तहसील के वेरवार गाँव में लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विकास पर्व के दौरान 138 करोड़ 8 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, विधायक हरिशंकर खटीक, राहुल सिंह, डॉ. शिशुपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक श्रीमती अनीता नायक सहित जन-प्रतिनिधि और हजारों लाड़ली बहनें एवं नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूँगा। सबके चेहरे पर मुस्कुराहट लाकर ही चैन से बैठूंगा। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं सवा करोड़ लाड़ली बहनों का भाई हूँ। भाई ने सोचा कि साल में एक बार नहीं, हर महीने बहनों के खाते में राशि देना चाहिये। इसीलिये लाड़ली बहना योजना शुरू की। शुरूआत 1000 रूपये से की है, लेकिन धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 3000 रूपये किया जायेगा। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए उनकी आमदनी प्रतिमाह 10 हजार रूपये तक करने का लक्ष्य है। उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्व-सहायता समूह से जोड़ा जा रहा है, साथ ही समूहों को कार्य भी दिये जा रहे हैं। इसी महीने की 28 तारीख को आपका भाई आपसे फिर संवाद करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है, जहाँ स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रदेश में महिलाएँ पंचायत और नगरीय निकाय का सफलता से संचालन कर रही हैं। समाज में महिलाओं की हिस्सेदारी और ताकत, दोनों बढ़ी हैं। प्रदेश में नया कानून लाकर बेटियों के साथ दुराचार करने वालों को फाँसी की सजा दिलाई जा रही है और आरोपियों के घर बुलडोजर से गिराये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छोटे किसानों की माली हालत सुधारने के लिये प्रधानमंत्री सम्मान-निधि में 6000 रूपये की राशि 3 किश्तों में दी जा रही है। राज्य सरकार ने पहले 4000 रूपये की राशि अपनी ओर से किसानों के खाते में डाली, अब इसे बढ़ाकर 6000 रूपये तक किया गया है। किसानों के खाते में अब पूरे वर्ष 12 हजार रूपये की राशि डाली जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बुंदेलखण्ड की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा परियोजना को केन्द्र सरकार की मंजूरी पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अब टीकमगढ़ के साथ बुंदेलखण्ड के बड़े क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा और पानी की कमी दूर होगी। पूर्ववर्ती सरकार में किसानों को 15 से 18 प्रतिशत तक की दर पर कृषि ऋण मिल पाता था। हमारी सरकार ने किसानों को जीरो प्रतिशत पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएँ बंद कर दी थीं, जिन्हें हमारी सरकार ने दोबारा से शुरू किया है। जतारा में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 138 करोड़ 8 लाख के 56 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें जतारा विधानसभा क्षेत्र की 68.14 करोड़ की नल-जल योजना, 11.35 करोड़ का जतारा सिविल अस्पताल, 10.94 करोड़ से मोहनगढ़ में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन, 42 करोड़ की लागत से 29 किलोमीटर के जतारा-लिधौरा-जौरा सड़क निर्माण एवं 5.65 करोड़ के पाटनारपुर घाट वियर कुंवरपुरा के निर्माण कार्य शामिल हैं।

पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

मुख्यमंत्री श्री चौहान का शनिवार को जतारा के रोड-शो में सड़कों के दोनों ओर मौजूद अपार जन-समूह के साथ लोगों ने अपने घरों की छतों से पुष्प-वर्षा कर अभिनंदन किया। जतारा की सड़कों एवं चौराहों पर लाड़ली बहने धन्यवाद शिवराज भैया की तख्तियाँ लेकर पुष्प-वर्षा कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने रोड-शो के बीच वाहन को रोककर जनता से आवेदन भी लिये और हाथ भी मिलाया। एक बालिका ने उन्हें गुलाब का फूल भी भेंट किया। मुख्यमंत्री ने रोड-शो के बीच ही महान दिगंबर जैन संत आचार्य श्री 108 विमर्श सागर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने रोड-शो के मार्ग में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

रोजगार दिलाने सीखो-कमाओ योजना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार दिलाने के लिये राज्य सरकार भरपूर प्रयास कर रही है। प्रदेश में 15 अगस्त तक एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरा करने के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना प्रदेश के युवाओं को स्व-रोजगार के साथ-साथ सम्मानजनक रोजगार देने में मददगार साबित होगी। इस योजना में युवाओं को कम्पनियों में ट्रेनिंग के साथ प्रतिमाह 8 हजार रूपये स्टाइपेंड दिया जायेगा।

102 फीट की राखी भेंट की

लाड़ली बहना सम्मेलन में लाड़ली बहनों ने अपने मुख्यमंत्री भाई को 102 फीट की राखी भेंट की। कार्यक्रम में हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये। मुख्यमंत्री श्री चौहान को पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री खटीक ने रामराजा सरकार की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या-पूजन से की। उन्होंने लाड़ली बहनों पर गुलाब के फूलों से पुष्प-वर्षा की।

राहुल की संसद सदस्यता का मामला

सदस्यता बहाल न होने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी कांग्रेस

• विंध्यवासिनी त्रिपाठी

राकांपा सांसद फैजल के फैसले को नजीर बनाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषसिद्धि पर रोक लगाने के बावजूद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जल्द बहाल न करने की साजिश हो रही है।

वरिष्ठ पार्टी नेता व राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहाकि पार्टी इंतजार कर रही है। मंगलवार तक उनकी सदस्यता बहाल नहीं हुई तो पार्टी न्यायालय का रुख करेगी। कांग्रेस पार्टी एनसीपी के लक्षदीप लोकसभा क्षेत्र से सांसद मोहम्मद फैजल पीपी के फैसले को नजीर बनाकर कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। जिनको हत्या से जुड़े एक मामले में 10 साल की सजा सुनाए जाने के बाद संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया था। लेकिन 25 जनवरी 23 को केरल हाईकोर्ट ने सजा पर रोक लगा दी। इसके बाद उन्होंने सदस्यता बहाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। लेकिन 29 मार्च को सुनवाई से ठीक पहले उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई।

लोस अध्यक्ष को किया था फोन

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी की आरोप है कि राहुल की सदस्यता जल्द न बहाल करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की थी,जिसके बाद शनिवार को समय का दिया गया। आज जब लोकसभा अध्यक्ष को फोन किया गया तो उन्हें महासचिव से बात कर पेपर जमा कराने को कहा। महासचिव ने कार्यालय बंद होने की बात कर कागजात लोकसभा अध्यक्ष के पास जमा कराने को कहा। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने पत्र पर हस्ताक्षर तो कर दिया है लेकिन मुहर नहीं लगी है।

अधिकारी से मारपीट का मामला

भाजपा सांसद कठेरिया को 2 साल की सजा, जा सकती है सदस्यता

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगरा की एक विशेष अदालत ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रामशंकर कठेरिया को एक निजी कंपनी के अधिकारी से मारपीट करने और बलवा करने के आरोप में दोषी करार करते हुए दो साल की कैद और 50 हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जिले की एमपी/एमएलए कोर्ट ने इटावा के सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री कठेरिया को टोरंट कंपनी के अधिकारी से मारपीट और बलवा करने का दोषी माना। दो साल की सजा होने के बाद रामशंकर कठेरिया संसद की सदस्यता जा सकती है। मामला 16 नवंबर, 2011 का है। उस समय कठेरिया आगरा संसदीय क्षेत्र से सांसद थे। अदालत ने सांसद को दोषी पाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 147 में दो वर्ष कैद एवं 323 में एक वर्ष की कैद से दंडित किया। दोनों सजाएं साथ चलेंगी। अदालत ने सांसद राम शंकर कठेरिया पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। सांसद के अधिवक्ता ने आदेश के विरुद्ध सत्र न्यायालय में अपील करने का हवाला देकर जमानत स्वीकृत करने की अर्जी दी जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने उनकी रिहाई के आदेश दे दिए।

---

5 साल चुनाव नहीं लड़ पाएंगे पूर्व प्रधानमंत्री

इमरान को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना केस में गिरफ्तार कर लिया गया है। लाहौर पुलिस ने पीटीआई नेता को उनके जमान पार्क स्थित घर से गिरफ्तार किया। इस्लामाबाद की ट्रायल कोर्ट ने उन्हें 3 साल की सजा सुनाई है। साथ ही अगले 5 साल तक वो चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कोर्ट ने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पर एक लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया है। फैसले के वक्त कोर्ट ने कहा कि पीटीआई चेयरमैन इमरान ने तोशाखाना मामले में पाकिस्तान के चुनाव आयोग को गलत जानकारी दी थी। वो भ्रष्टाचार में लिप्त थे।

इमरान खान ने गिरफ्तारी के बाद अपना एक वीडियो ट्वीट किया है। इसमें खान ने बताया है कि उन्हें गिरफ्तारी की पहले से ही जानकारी थी। इसलिए उन्होंने वीडियो को पहले ही रिकॉर्ड कर लिया था। खान ने कहा है कि वो देश को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। खान ने अपने समर्थकों से कहा कि मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि आप चुप नहीं बैठें। जो संघर्ष मैं कर रहा हूं वो मेरे लिए नहीं है। ये देश के लिए है। आप के बच्चों के भविष्य के लिए है। खान ने कहा कि अगर आप अपने हकों के लिए नहीं खड़े होंगे तो आप गुलामी की जिंदगी जीएंगे। इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ पीटीआई ने लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। तहरीक-ए-इंसाफ के नेता उमर खान नियाजी ने लाहौर हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। दायर याचिका में आईजी पाकिस्तान के पंजाब, सीसीपीओ लाहौर और अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

आतंकियों से मुठभेड़ में 3 जवान शहीद

जम्मू, देशबन्धु। कुलगाम के जिस जंगल में 4 से 5 आतंकियों के साथ सेना की मुठभेड़ चल रही है, उसमें लिप्त आतंकियों को ढेर करने की खातिर सेना ने अब सैंकड़ों छाताधारी सैनिकों को मैदान में उतारा है। साथ ही बीसियों ड्रोनों को तलाशी अभियान में झौंक दिया है।

हालांकि इस मुठभेड़ में फंसे एक आतंकी को मार डालने का दावा किया जा रहा है। यह मुठभेड़ कल देर शाम उस समय आरंभ हुई थी जब कुलगाम के मंजगाम के हालन क्षेत्र में छुपे इन आतंकियों ने घात लगा कर सेना के तीन जवानों की जान ले ली थी। फिलहाल सेना ने शहीद होने वाले जवानों के नाम जाहिर नहीं किए हैं। सेना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि तीनों जवान उस समय गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे जब 4 से 5 की संख्या में जंगलों में छुपे आतंकियों ने तलाशी अभियान के दौरान भारी गोलीबारी करने के साथ ही ग्रेनेड हमले किए थे। हालांकि बाद में मोर्चा संभालते हुए सेना ने उनमें से एक आतंकी को मार गिराने का दावा किया है। अतिरिक्त जवानों के मौके पर पहुंचने तक आतंकी जंगल के और भीतरी दुर्गम क्षेत्र में चले गए थे। जिस इलाके में यह मुठभेड हो रही है, वह अत्यंत दुर्गम है और आतंकियों ने पहाड़ी पर एक ऊंची जगह पेड़ों के बीच पोजीशन ले रखी है। इसके अलावा वर्षा के साथ धुंध होने के कारण मुठभेड़ लंबी खिंच रही है।

सेना ने सैंकड़ों छाताधारी सैनिक और ड्रोन भी उतारे

प्रवक्ता के बकौल, सूचनाओं के अनुसार, जिन आतंकियों से अभी भी मुठभेड़ चल रही है उनमें अधिकतर विदेशी आतंकी हैं और उन्हें अनुच्छेद 370 की बरसी पर कहर बरपाने का टास्क दिया गया था। याद रहे आज यानि 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाए जाने की पांचवी बरसी है और पिछले कई दिनों से यह सूचनाएं मिल रही थीं कि आतंकी पाकिस्तान के दबाव के चलते कुछ बड़ा करने की कोशिशों में हैं।

मणिपुर में ताजा हिंसा में 3 की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शनिवार को हिंसा की एक ताजा घटना में एक बुजुर्ग और उसके बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने क्वाक्टा लमखाई गांव पर धावा बोला और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में कुछ लोग घायल भी हुए हैं। अपुष्ट खबरों में कहा गया है कि उग्रवादियों ने दो ग्रामीणों का भी अपहरण कर लिया है। पुलिस अतिरिक्त बल के साथ इलाकों में पहुंच गई है और शवों को बरामद कर लिया है। मृतकों की पहचान युमनाम पिशाक मैतेई (67) और उनके बेटे युमनाम प्रेमकुमार मैतेई (39) और एक पड़ोसी युमनाम जितेन मैतेई (46) के रूप में की गई।

भीड़ ने कई रास्ते जाम किए

ये हिंसक झड़प टेराखोंगसांगबी कांगवे और थोरबुंग में हुई हैं। यह इलाका कुकी-मैतेई के बीच का बॉर्डर है, जो बफर जोन कहलाता है। तीन लोगों की मौत के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया। थोरबंग एरिया में पहाड़ों से सुबह से फायरिंग हो रही है। मोर्टार से भी हमला किया गया। भीड़ ने कई रास्ते जाम कर दिए हैं।

जगह-जगह लगाई जा रही वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमाएं

छत्तीसगढ़ में 'रानी' के सहारे 'राज' को मजबूत करने की जुगत

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजनीति में सत्ता हासिल करना या सत्ता में बने रहने के लिए आदिवासी वर्ग को खुश रखना जरूरी है। इस मामले में तमाम दल पीछे नहीं रहना चाहते। छत्तीसगढ़ की वर्तमान भूपेश बघेल सरकार भी आदिवासियों के बीच अपनी गहरी पैठ बनाए रखने के लिए जगह-जगह वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमाओं की स्थापना कर रही है। गोंडवाना राज्य की रानी के तौर पर सबसे ज्यादा सम्मान पाने वाली रानियों में दुर्गावती प्रमुख हैं। इन्हें आदिवासी समुदाय देवी के तौर पर भी पूजता है। लिहाजा रानी को सम्मान दिलाकर राजनीतिक दल इस वर्ग को अपना हितैषी बताने की हरसंभव कोशिश करते हैं।

बात छत्तीसगढ़ की करें तो यहां आदिवासियों के समर्थन के बगैर सत्ता हासिल करना किसी भी दल के लिए आसान नहीं है। इसकी वजह भी है क्योंकि राज्य में लगभग 34 फीसदी मतदाता इसी वर्ग के हैं। विधानसभा की 90 सीटों में से 29 सीटें इस वर्ग के लिए आरक्षित हैं। बड़ी तादाद में ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जहां आदिवासी वोट बैंक निर्णायक है। बीते लगभग एक वर्ष की गतिविधियों पर नजर दौड़ाई जाए तो एक बात साफ हो जाती है कि इस वर्ग को लुभाने में भूपेश बघेल सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक तरफ जहां आदिवासी संस्कृति के प्रचार-प्रसार का अभियान चल रहा है। दूसरी ओर रानी दुर्गावती की प्रतिमाएं भी स्थापित हो रही हैं।

आदिवासियों के बीच अपनी गहरी पैठ बनाए रखने की कोशिश

बीते कुछ समय में कांकेर के अंतागढ़ में रानी दुर्गावती के साथ गुंडाधुर और वीर गैंद सिंह की मूर्तियों का अनावरण किया गया। इसी तरह महासमुंद के कलेक्ट्रेट में महारानी दुर्गावती की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई। गरियाबंद के मैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कोकडी में भी वीरांगना रानी दुर्गावती की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छत्तीसगढ़ के लोगों में छत्तीसगढ़ी अस्मिता का भाव जागृत करने की वर्तमान सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है और यही कारण है कि वह तीज, त्योहारों को खास अहमियत दे रही है। राज्य की सियासत के लिहाज से आदिवासी समुदाय को लुभाए रखना भी राजनीतिक दलों के लिए जरूरी है, उसी का नतीजा है कि वर्तमान सरकार भी आदिवासियों में सम्मान का भाव जागृत करने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम में रानी दुर्गावती की प्रतिमाएं जगह-जगह स्थापित हो रही हैं।

2018 में कांग्रेस ने किया था शानदार प्रदर्शन

राजनीति के जानकारों का मानना है कि राज्य में वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 28 सीटों पर जीत हासिल हुई थी और पार्टी अपने इस प्रदर्शन को आगे भी बरकरार रखना चाहती है। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासियों के मान-सम्मान के साथ उनके पूर्वजों को खास अहमियत दी जाए इसीलिए कांग्रेस की सरकार इस वर्ग के लिए कार्यक्रम, समारोह तो आयोजित कर ही रही है, साथ में विशेष सुविधाएं भी मुहैया करा रही है।

कहानी

सिब्बू पगलैट

■ डॉ.नवनीत धगट

सिब्बू पगलैट कई दिनों तक बुंदेलखण्ड के इस कस्बानुमा शहर में, बस स्टैंड के आस-पास की व्यस्त सड़कों पर लंगड़ाता हुआ बदहवास फर्राटा दौड़ लगाता नज़र आता। जैसे उत्तेजना और हिंसा से भरा किसी का पीछा कर रहा हो। वो किसी को चोट पहुंचाना चाहता था। पर किसे ? ये कोई जानता ना था। कम चर्बी की काली अधेड़ उम्र वाली काया में हड्डियाँ और नसें झांकती रहतीं । उसके बाल छोटे होते...ना जाने कौन और कैसे इन्हें कटवा देता था ? तेल और मैल से चिक्कट उसके कपड़े होते। मुंह से छूटता झाग और थूक वह खाखारता थूकता चलता,जो उसकी बेतरतीब दाढ़ी मूंछों पर भी लगता जाता। दोनों हाथों में पत्थर या ईंट के कुछ टुकड़े होते जिन्हें वह बिना लक्ष्य के सड़क पर अंधाघुंध सन्नाता चलता। इस बात से बेपरवाह, कि उसके फेंके पत्थर राहगीरों में किसे लगते हैं - किसे नहीं। हैरान कर देने वाली फुर्ती और ऊष्मा से लबरेज सिब्बू का तमतमाया चेहरा लगातार परिश्रम और तैलीय पसीने से चमक रहा होता। उसकी आँखें दहक रही होतीं। वह क्या कुछ बुदबुदाता बड़बड़ाता ? शायद समझ में न आने वाली गालियाँ होतीं। बस बार-बार आने वाले जो कुछ शब्द समझ में आते -

'हाट हट हाट हट हट्ट । भाग भग भग्ग । हम मार दे हैं ।'

वो किसी अदृश्य को फुंफकारता ललकार रहा होता। उसकी ये सक्रियता किशोर छात्रों के स्कूलों से पैदल आते-जाते समय अधिक होती। स्कूली बच्चे उसे देख मारे डर के किनारा कर लेते, किसी आड़ में दुबक जाते। कभी सुना नहीं कि उसके किसी वार से कोई घायल हुआ हो। खूंखार नजरें टिकाये सिब्बू किसी राहगीर की ओर शिकारी की तरह सरपट लपकता। भयभीत राहगीर के प्राण डर के मारे सूख जाते, पलक झपकते सिब्बू उसकी साइड से होकर बिना किसी हरकत के दूर निकल जाता।

किशोरों के कुछ समूह सिब्बू पगलैट की नब्ज़ पहचानते। दूर से चिल्लाते =

- ' जय हो डमरू राजा '

उत्तेजित सिब्बू पगलैट शायद इस वाक्य के शब्दों को ही पहचानता। इस वाक्य का जादू सा असर होता सिब्बू पर। वो तुरंत रुकता। क्रॉस किये हुए डेढ़ पैर पर दोनों हाथ ऊपर किये किसी मूर्ति की तरह स्थिर हो जाता। उसके शरीर की मुद्रा तांडव कर रहे शंकर जी से मिलती हुई हो जाती। वह एकदम अविचल और शांत होता। उसके सजल नेत्र कभी आसमान की ओर तो कभी आनंद के भाव से बंद होते ।

सिब्बू की जीवनसंगिनी भग्गो, उम्र में सिब्बू से खासी बड़ी थी। अशक्त, बीमार और लगभग बूढ़ी हो गई भग्गो और सिब्बू का ये जोड़ा कब और कैसे बना ? कोई नहीं जानता था ।

कई साल पहले भग्गो का इकलौता जवान, लेकिन कृशकाय बेटा भी था। भग्गो की ये औलाद सिब्बू से थी या किसी पूर्व संबंध से ? कहा नहीं जा सकता था । बीमार ही बना रहता । भग्गो के बगल से उकड़ूं , घुटनों पर सिर टिकाए बैठा रहता। भग्गो तब तक थोड़ा बहुत चल-फिर लेती थी ।

ज्यादा बीमार हुआ, कुछ दिन जिले के सरकारी अस्पताल में भरती बना रहा और एक शाम चल बसा। सिब्बू ने हाथ ठेले पर बेटे की लाश रखी और अंतिम संस्कार की चिंता लिए अस्पताल से निकला। विलाप करती हुई भग्गो अकेली हाथ ठेले के पीछे थी। भग्गो स्यापा में करुण रूदन के साथ कहती चली -

कई साल पहले भग्गो का इकलौता जवान, लेकिन कृशकाय बेटा भी था। भग्गो की ये औलाद सिब्बू से थी या किसी पूर्व संबंध से ? कहा नहीं जा सकता था । बीमार ही बना रहता । भग्गो के बगल से उकड़ूं , घुटनों पर सिर टिकाए बैठा रहता। भग्गो तब तक थोड़ा बहुत चल-फिर लेती थी । ज्यादा बीमार हुआ, कुछ दिन जिले के सरकारी अस्पताल में भरती बना रहा और एक शाम चल बसा। सिब्बू ने हाथ ठेले पर बेटे की लाश रखी और अंतिम संस्कार की चिंता लिए अस्पताल से निकला। विलाप करती हुई भग्गो अकेली हाथ ठेले के पीछे थी।

- ' ए मोरी माता, ए मोरे राम ए ठठरी के बंधे खों अबईं मरने हतो।'

- ' ए नास के मिटे । दाबा काबा होतई काए नें मर गओ।'

भग्गो के पास पुत्र शोक व्यक्त करने को ये ही तो शब्द थे।

वो दिन था कि भग्गो की आवाज़ जैसे चली गई। साथ में आखों की रोशनी भी जाती रही। दिन-रात एक जगह कांखती- कूलती पड़ी रहती। सालों उसके तन पर एक ही मैली सिन्थेटिक साड़ी होती। उसके आस-पास साफ-सफाई न होने के कारण मक्खियाँ भिनभिनातीं, दुर्गंध बनी रहती। बदसूरत भग्गो के मुंह में एक दो बाकी पीले-मैले हिलते हुए दांत। बेतरतीब बंधे हुए खिचड़ी बाल, काले चेहरे की झुर्रियाँ,धंसी हुई आखें उसे डरावना बनातीं। तब तक सिब्बू पागल नहीं हुआ था। सिब्बू उसके अपने हाथ ठेला की मजदूरी करता- पूरी मशक्कत से। मोहल्ले में हाथ ठेला ढुलाई का जो काम मिलता- कर लेता। घर-द्वार जैसा कुछ था नहीं। हाथ ठेले के नीचे की छड़ों से बिस्तर के दरी -चादर और पानी का कुप्पा बंधा होता। गृहस्थी के नाम पर दो-चार एल्यूमीनियम के बरतन होते। दिन भर आस-पास रहकर काम करता। जहाँ जो जगह मिलती भग्गो के साथ दरी चादर बिछा कर सो रहता। हिन्दू मुसलमानों के मिले-जुले मुहल्ले में जहाँ जो मजदूरी के पैसे मिलते नुक्कड़ की छोटी होटल से चाय, समोसा, आलू बंडा,डबल रोटी जैसी चीजें खरीद लाता।

आप खाता, भग्गो को खिलाता। फिर ठिकाना मिल गया था सिब्बू को। ढालू फर्श पर सार्वजानिक कचरा घर के सामने मुहल्ले के एक पक्के मकान की बालकनी। नीचे सड़क से लगी सीढ़ियों के साथ बना हुआ एक सीमेंटेड चबूतरा। मकान अक्सर खाली बना रहता, कोई रोक-टोक करने वाला था नहीं। धूप और बारिश से बचने सिब्बू ने भग्गो के साथ इसे ही अपना आशियाना बना लिया ।

समय के साथ लगभग अंधी हो चुकी भग्गो चिड़चिड़ी, मतिभ्रम की शिकार और अशक्त होती चली गई। चबूतरे के एक कोने में पड़ी रहती, अपनी जगह से सरक भी नहीं पाती। सोने-खाने का कोई निश्चित समय नहीं। कई-कई दिन के अंतराल के बाद कपड़ों में ही निवृत्त हो लेती। बदबू इतनी होती कि राहगीर अपनी नाक ढंक कर निकलते। सिब्बू काम से लौटता, पास के हैण्ड पंप से कुप्पे में भर कर पानी भर लाता। जैसा भी बनता भग्गो और चबूतरे की साफ सफाई करता। तमाम गंदगी ठिकाने के सामने बने कचरे घर के हवाले करता। कुछ फर्श पर लगातार बहती नाली के भी। कभी-कभार भग्गो को हेण्डपंप के पानी से नहला देता, भूरे सफेद बदरंग बालों में कुछ तेल लगा कर गूंथ देता ।

सिब्बू की ज़िंदगी बस भग्गो ही थी । भावनात्मक तौर पर उसके जीने का सहारा थी पर उसकी जिंदगी को कठिन बनाने का सबब भी।

अकारण कर्कश स्वर में चीखती और रोती और बहुत कम और पोपले मुंह के अस्पष्ट आवाज़ में बड़बड़ाती ...

- 'ऐ सिब्बू कहाँ मर गओ रे। पियत कौ पानी दै दे ...।'

भग्गो रात-बिरात जागती रहती अकारण बड़बड़ाती, रोती। थका हारा सिब्बू जेब में कुछ रकम होने पर कभी-कभार शाम को शराब पी लिया करता। सिब्बू खीझ जाता, झुंझला जाता, मां बहिन की गालियाँ देते हुए, भग्गो को लतिया देता -

- 'चंडोलन पिरान लै ले मोरे। नैं सोय नें सोन देय। कहाँ से मोरे गले बंध गई। जल्दी टर जा। मरत भी तौ नईयाँ।'

- 'अब सो जा अबेर भई।'

यूं तो सिब्बू, भग्गो को बेइंतहाँ चाहता था पर जताने के लिए उसके पास ये ही शब्द थे।

देर रातों में भग्गो बेवजह खराश वाले भर्राए गले से दहाड़ मार कर रोती। उसकी आवाज़ से पास - पड़ोस के घरों की बत्तियां जल जातीं। कुछ लोग खिड़कियों और दरवाजों की दरारों से झांकने उठ बैठते। जो जानते थे कि भग्गो की आवाज़ है जाग कर भी बिस्तरों पर बने रहते।

कुछ बाहर निकल के आवाज़ लगाते-

-'काए रे सिब्बू ? काए रुआ रओ भग्गो खों ? मुहल्ला सोन दे है के नईं ? '

कुछ रहमदिल तीज त्यौहार और दूसरे मौकों पर भग्गो के चबूतरे पर कुछ खाने-पीने का सामान आवाज लगा कर रख जाते। पर भग्गो थी कि सिब्बू के हाथ के अलावा कुछ भी मिले खाती ही नहीं थ।

फुरसतिये लफंगे छोरे , फर्श गली से गुजरते कुछ देर बब्बू-भग्गो के इस ठिकाने पर रुक के मनोरंजन तलाशते । भग्गो को छेड़ते -

- 'काए भग्गो डार्लिंग ? कहाँ गओ तुमाओ सिब्बू डुकरा ?'

भग्गो तो जैसे बोलना, जवाब देना या बातों को समझना भूलती जा रही थी।

वे भग्गो को चिढ़ाते... भग्गो चिल्लाती-चीखती तो उनका मज़ा और भी बढ़ जाता। भग्गो पर पानी ,कंकर, बीड़ी के अधजले टुकड़े फेंकते। सिब्बू के साथ रहते भी मनचले कई बार भग्गो को कंकर कचरा मारते। सिब्बू उन्हें रोकने गिड़गिड़ता, मिन्नतें करता।

उस शाम जब सिब्बू अपने काम से वापिस लौटा अपना हाथ ठेला सार्वजनिक कचरा घर के पास किनारे खड़ा कर के टिकाया। देखा भग्गो बेसुध सी घायल पड़ी थी, कई जगहों से खून बहकर सूख गया था। उसके आस पास कुछ गिट्टी के टुकड़े थे। न जाने कौन भग्गो को चोटें पहुंचा गया था। शायद आवरा कुत्तों का हमला रहा हो। सिब्बू उदास था पर करता भी क्या ! पास के बनिए की दूकान से दो रुपये का सरसों का तेल ले आया। भग्गो के घावों पर लगाया। भग्गो अब भी तड़प-कलप रही थी ...पर ये कोई बहुत अलग नै बात न होकर उसकी रोज़ की हरकतों जैसी ही थी। हाँ, भग्गो की सांसों की घरघराहट कुछ ज्यादा जरूर थी। उसी रात तेज बारिश के बीच भग्गो की सांस चलना बंद हुई, देह ठंडी हुई। सिब्बू को समझ में आ गया कि भग्गो चली गई। शून्य में ताकता रात भर भग्गो के निर्जीव शरीर के पास बैठा रहा।

ढालू फर्श पर बरसाती पानी किसी बहते हुए नाले की आवाज़ कर रहा था। भग्गो की लाश को मुहल्ले के लोगों ने नगर पालिका की मदद से ठिकाने लगवाया। इसके बाद शहर ने सिब्बू को अदृश्य से जूझते आतंकी सिब्बू पगलैट की तरह देखा और जाना ...।

कविता

सुनो वसंत

■ बसंत राघव

मानचित्र में
स्याही सा फ़ैल गया है
बवाल ,
अनुत्तरित
सवाल-दर-सवाल
हो गए हैं
रास्ते जर्जर बेहद खराब
और मौसम भी बदमिजाज
कदम - कदम पर खतरे
अफरा तफरी का माहौल
जिधर देखो उधर
हवा में तैर रहे हैं
अराजक नारे बेहिसाब
देख भाल कर आना
अबकी बार
मेरे प्रिय बसंत

मुंह फैलायी हुई हैं
सुरसा की तरह
दुर्घटनाओं की
विकराल संभावनाएं
अजगर सी पसरी हुई हैं
समस्याएं
शिखर किंकर्तव्यविमूढ़
वातावरण में घुल गई हैं
एक अजीब सी कड़वाहट
लेकिन फिर भी
पहले की तरह
चुटकी भर मिठास लिए
आना जरूर मेरे प्रिय वसंत

लगभग अब
खत्म हो चला है
टुकड़े - टुकड़े में
प्रतीक्षित
दुवाओं का दौर
आह
कितना भयावह है
यह बारूदी जलजला
नीले आसमान में
चील की जगह
अब उड़ते दिख रहे हैं
खतरनाक ड्रोन
न जाने कब छिड़ जाए
न्यूक्लियर जंग
और सब कुछ हो जाए
क्षण भर में स्वाहा
सब कुछ भंग
आजकल
नहीं फड़फड़ा रहें हैं
बिलकुल नहीं फड़फड़ा रहे हैं
कहीं भी कपोत
लेकिन
यह सब जानते हुए भी
भले ही सोच समझकर
आना
मगर आना जरूर
फिर वही
कोयल के गीत लिखे
ओ मेरे प्यारे वसंत
मेरे अपने वसंत ।

एक और हामिद

■ मृत्युंजय तिवारी

लघुकथा

तीन साल की साक्षी का बर्थडे मनाया जा रहा था। साक्षी बहुत खुश थी। उसके लिए यह सब अदभुत था। जो भी आता उसे कोई खिलौना, मिठाई , चाकलेट का डब्बा पकडा जाता। वह अपनी तोतली जबान में सबको थैंक यू कह रही थी। साक्षी की दादी आई, उसके गले में एक हार पहनाया और ढेरों आशीर्वाद दिया।

साक्षी ने पूछा - दादी, तुम्हारा बर्थ डे कब है ? मैं भी तुम्हें गिफ्ट दूंगी।

दादी ने पूछा - तुम क्या गिफ्ट दोगी बिटिया रानी ?

साक्षी कुछ देर सोचती रही फिर बोली - मैं पापा से कहकर तुम्हें एक गाय खरीद कर दूंगी।

क्यों भला ? दादी ने आश्चर्य से पूछा।

ताकी तुम्हें पानी मिला दूध की जगह असली दूध पीने को मिले। बताओ ना दादी, कब है तुम्हारा जन्मदिन ?

दादी ने अपने बेटे बहू की ओर लाचारी से देखते हुए नन्हीं साक्षी को अपने सीने से लगा लिया।

पुस्तक समीक्षा

■ मनोज निगम

काव्यात्मकता से लबरेज रोचक डायरी

पुस्तक- किनारे किनारे दरिया
लेखक- शिवप्रसाद जोशी
प्रकाशक- काव्यांश प्रकाशन, ऋषिकेश
मूल्य- 175 रुपये

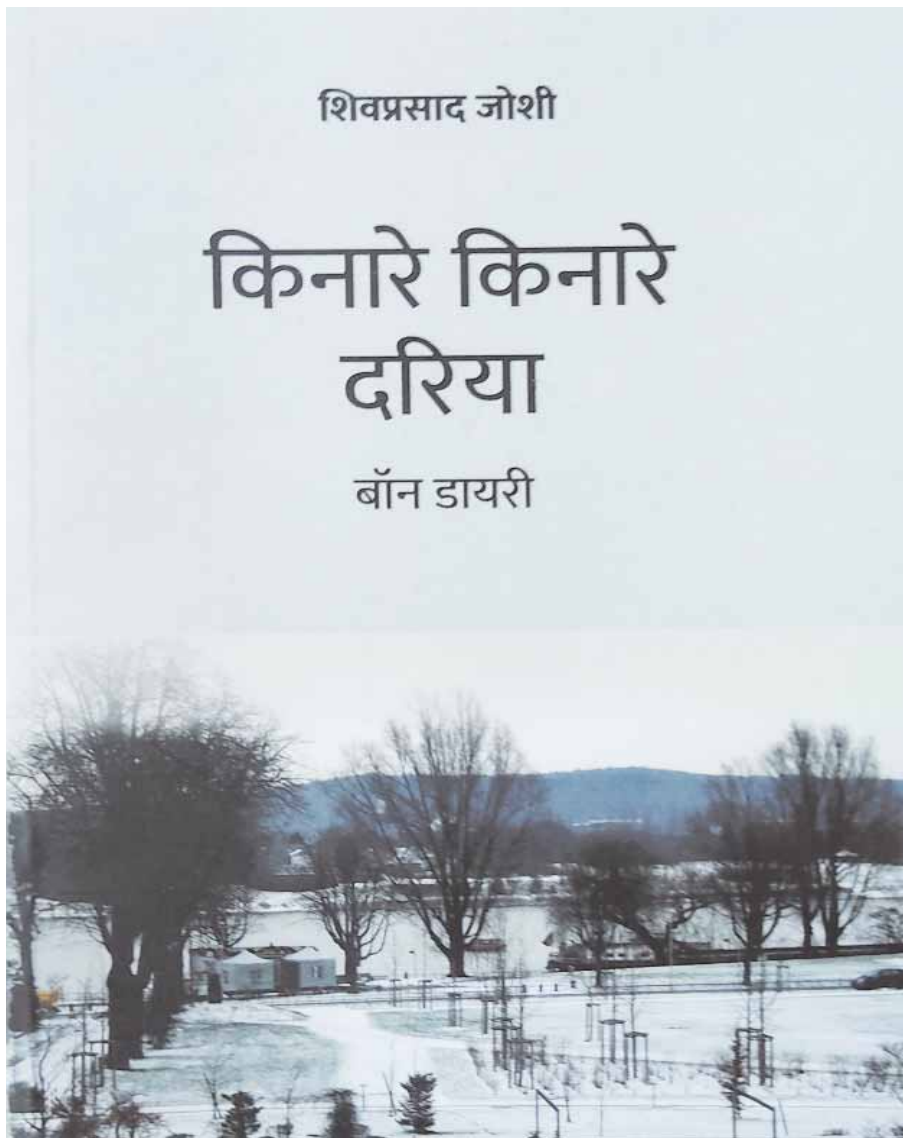

प्रतिष्ठित पत्रकार और कवि शिवप्रसाद जोशी की बॉन डायरी 'किनारे किनारे दरिया' हाल ही में काव्यांश प्रकाशन, ऋषिकेश से प्रकाशित हुई है। डॉयचे वेले रेडियो की नौकरी के दौरान लेखक को जर्मनी में राइन नदी के किनारे बसे शहर बॉन में कुछ समय तक रहने का मौका मिला। लेखक ने बॉन शहर के अनुभवों को बहुत ही मार्मिकता के साथ अपने शब्दों में पिरोया है। यह कृति केवल बॉन शहर के समाज, इतिहास, भूगोल और संस्कृति से ही हमारा साक्षात्कार नहीं कराती बल्कि लेखक के काव्यात्मक गद्य से भी हमारा परिचय कराती है। लेखक के अनुसार बॉन 150 से ज्यादा संगठनों और संस्थानों का शहर है। 1996 से बॉन को संयुक्त राष्ट्र शहर का दर्जा भी हासिल है। लेखक बॉन के संगीत को बहुत ही ध्यान से सुनता है। निश्चित रूप से अनंत चहचहाटों, नदी के शांत बहाव और बादलों की करवटों का संगीत कविता से प्रेम करने वाला संवेदनशील इंसान ही सुन सकता है। लेखक यहीं नहीं रुकता। वह बॉन की खामोशी भी दर्ज करता है।

लेखक को राइन नदी का सौन्दर्य बार-बार मोहित करता है। राइन नदी जर्मनी की सबसे लंबी नदी है। राइन के संदर्भ में अनेक कथाएं और लोक मिथन हैं। गौर करने लायक बात यह है कि लगभग बीस साल पहले स्विट्जरलैंड में हुई एक आपदा में यह नदी गंभीर रूप से प्रदूषित हो गई थी। ऐसा लगने लगा था कि यह दोबारा साफ नहीं हो पाएगी लेकिन अथक प्रयासों के बाद राइन अपने मौलिक स्वरूप में लौट आई। सवाल यह है कि हमारे देश में प्रदूषित हो चुकी अनेक नदियां क्या कभी अपने मौलिक स्वरूप में लौट पाएंगी ? यह शिवप्रसाद जोशी की भाषा का जादू ही है कि कभी-कभी उनका कथ्य एक कविता लगने लगता है। उनकी भाषा का एक नमूना देखिए-'मैं आसमान को देखता हूं और उसमें झाँककर अपना घर देखता हूं, अपना गांव अपने लोग। आसमान की टोकरी से मैंने कुछ तारे निकाले, एक नदी निकाली और यहां बिछा दिया' यह तो केवल एक उदाहरण है। इस किताब में इस तरह के अनेक कथ्य हैं। लेखक राइन नदी के बहाने अपनी माँ, पिता, भागीरथी, भिलंगना और टिहरी को याद करता है। वह महसूस करता है कि यह शहर रोज नया होता है। जो शहर कल था, वो आज नहीं है। यानी यह तेजी से बदलता हुआ शहर है। शिवप्रसाद जोशी डॉयचे वेले रेडियो, जर्मन डाक सेवा के मुख्यालय डॉयचे पोस्ट और संयुक्त राष्ट्र की इमारतों की भव्यता और जटिलता का वर्णन करते हुए एक अलग और रोमांचक दुनिया का खाका खींचते हैं। यहां कुत्तों के शौकीन बहुत हैं। कबूतर भी काफी दिखाई देते हैं। बाकी चिड़िया कम दिखाई देती हैं। बाजार नई पीढ़ी के सपनों को भुनाने में पूरी तत्परता से लगा हुआ है।

लेखक को बॉन की उत्सवधर्मिता आकर्षित करती है। इसके बावजूद वह आशा और निराशा के सागर में गोते लगाता रहता है। बॉन में रहते हुए भी उसके साथ भीमसेन जोशी, फतेह अली खान और कुमार गंधर्व हैं और उनका संगीत है। इस संगीत के सहारे वह अपनी उदासी दूर करने का प्रयास करता है। लेखक का मानना है कि खिड़की कभी धोखा नहीं देती। इसलिए उसे विनोद कुमार शुक्ल की किताब 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' याद आती है और वह इस खिड़की के सहारे अपनी उदासी दूर भगाता है। उनके पास जर्मन भाषा सीखने के अनुभव हैं तो फरवरी में जर्मनी के बड़े हिस्से में होने वाले कार्निवल की ऐय्याशी के किस्से भी हैं। लेखक एक तरफ बॉन की शांति, सुंदर हवा और सहजता के आनंद को महसूस करता है तो दूसरी तरफ सत्ताहांत की नशे में डूबी अराजकता को भी दर्ज करता है।

एक सच्चा लेखक विदेश में रहकर पूर्व में अपने देश में घटित बर्बरतापूर्ण घटनाओं को याद कर बेचैन न हो तो उसकी संवेदनशीलता किस काम की। जर्मनी में रहकर भी शिवप्रसाद जोशी अयोध्या में बाबरी मस्जिद के ध्वंस की 15वीं बरसी पर दुखी होते हैं। उसके बाद उन्हें विदेश की कई जगहों समेत नंदीग्राम, सिंगुर और मुजफ्फरनगर में हिंसा का नंगा नाच याद आने लगता है। लेखक कई बार चुनौती के सामने खड़े नजर आते हैं। वह ठीक ही तो कहता है कि हम सबके भीतर बॉन है, अपने प्रकाश, अपनी नदी, अपनी सड़क, अपनी इच्छा, अपनी अहमियत, अपने रुतबे, अपने रहस्य, अपने झंझटों, अपनी क्रूरता और अपनी अच्छाई के साथ। निश्चित रूप से शिवप्रसाद जोशी की यह किताब डायरी विधा की रोचक किताब है लेकिन यह आत्मचिंतन का महत्त्वपूर्ण दस्तावेज भी है। यह शिवप्रसाद जोशी की भाषा का कमाल है कि कभी उनका लिखा हुआ गद्य एक कविता लगने लगता है तो कभी एक यात्रा वृत्तांत। कभी-कभी ऐसा भी महसूस होता है कि वे दार्शनिक चिंतन कर रहे हैं। यानी उनके गद्य में बहुत सारी विधाएं गुथी हुई लगती हैं। अगर शिवप्रसाद जोशी यह डायरी न लिखते तो क्या हम बॉन के इस तरह जान पाते ?

सार-समाचार

रघुवंशी बने मंडल मीडिया प्रभारी

मुलताई, देशबन्धु। भाजपा नगर मंडल मुलताई द्वारा अपनी कार्यकारिणी की घोषणा के तहत कुछ दायित्व में परिवर्तन किया है। मंडल अध्यक्ष गणेश साहू ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन में सक्रिय भूमिका को देखते हुए कुछ परिवर्तन के साथ मीडिया प्रभारी रहे मुकेश वागद्रे को नगर मंडल उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। उनके स्थान पर नगर मंडल कोषाध्यक्ष राघवेंद्र रघुवंशी को अब नगर मंडल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया है।

सड़क दुर्घटना: बाईकों की टक्कर में पति-पत्नी घायल

मुलताई, देशबन्धु। नेशनल हाईवे 47 पर स्थित बिरुल चौराहे पर दो बाईकों की भिड़ंत हो गई। बैतूल की ओर से आ रहे बुलेट सवार ने मुलताई से बिरुल जा रहे साहेबराव और उसकी पत्नी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताया गया कि साहेबराव द्वारा बिरुल बाजार के लिए मुड़ते समय बुलेट सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसके चलते वे दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर डॉक्टर द्वारा उनका प्राथमिक उपचार कर बैतूल जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया।

बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत, एक घायल

सिरोंज, देशबन्धु। सिरोंज से भोपाल जा रही एक निजी बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक की मौत हो गई वह एक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निसार खान व शमीम दोनों आपस में रिश्तेदार थे किसी काम से भोपाल जा रहे थे कि अचानक कांकेरखेडी की घाटी पर बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल से दोनों दूर जा गिरे और निसार खान पुत्र सबाउद्दीन उम्र 30 बांद्रा गढ़ थाना राघोगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई व शमीम खान निवासी रामपुर थाना मुगलसराय सिरोंज गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए भोपाल भेजा गया है। मामले में पुलिस ने प्रकरण कायम कर लिया है।

कुशवाह का किया स्वागत

सिरोंज, देशबन्धु। जिला पंचायत सदस्य लाखन सिंह कुशवाहा के नगर आगमन पर समाजजनों ने स्वागत किया। इसके बाद कुशवाह महासभा तहसील अध्यक्ष राकेश कुशवाह के चाचा का निधन 31जुलाई को हो गया था उनके घर जाकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की और समाज बंधुओं से चर्चा की साथ ही लटेरी की घटना से अवगत कराया। जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता लाखन सिंह कुशवाह ने कहा कि कल ही मुख्यमंत्री विदिशा आ रहे उनसे चर्चा करूंगा और अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करवाएंगे। इस दौरान देवपुर मंदिर समिति अध्यक्ष घनश्याम कुशवाह, मुंशी लाल कुशवाहा, मुन्ना लाल कुशवाह, नथन सिंह कुशवाह, भूरा कुशवाह, जीवन कुशवाहा, मुन्ना लाल, भैरों सिंह, कन्हैया लाल, जीवन कुशवाहा प्रदीप, विकास पटेल भोला कुशवाहा गजराज सिंह, कमलेश कुशवाह मनोज कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

खेतों में भरा पानी, लगातार बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता

क्षेत्र की प्रमुख फसल सोयाबीन पर मंडरा रहे संकट के बादल

मुलताई, देशबन्धु। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी है। क्षेत्र की प्रमुख सोयाबीन एवं मक्के की फसल पर अति वर्षा के संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

किसान बताते हैं कि बीते 1 माह से निरंतर हो रही वर्षा के चलते खेतों में लगाई गई सोयाबीन और मक्के की फसल ग्रोथ नहीं कर पा रही है। किसानों का कहना है कि इस बार उन्होंने जितना बीज खेतों में बोया है, उससे आधा भी निकल पाना मुश्किल है। जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान होने की चिंता सताने लगी है। प्रतिदिन हो रही वर्षा के चलते खेतों का पानी सूख ही नहीं पा रहा है खेतों में पानी भरा हुआ है। सोयाबीन के पौधों में ऊपर की पत्तियां पीली होकर गिरने लगी है। ऐसे में इनमे फल्लिया लग पाना भी मुश्किल है। वैसे ही इस वर्ष एक माह देरी से बुवाई हुई थी, लेकिन बीज बोने के बाद से लगातार बारिश होने के कारण खेतों में लगी फसलें पूरी तरह से बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुकी है।

2 से 3 क्विंटल सोयाबीन होना मुश्किल

ग्राम खेड़ीकोर्ट के किसान विनोद देशमुख ने बताया कि वे हर साल अपने 10 एकड़ खेत में सोयाबीन की फसल लगाते थे, जिसमें करीब 100 बोरे सोयाबीन उनको होती थी। लेकिन इस बार उन्हें दो से तीन क्विंटल सोयाबीन भी होना मुश्किल लग रहा है। जबकि उन्होंने अपने खेत में 7 क्विंटल सोयाबीन का बीज बोया था।

नहीं बढ़ सकी मक्के की फसल

किसान कमलेश करोले बताते हैं किमक्का लगभग आधा से एक फुट की ग्रोथ पकड़ पाया है जबकि उसमें 3 फुट की ग्रोथ होनी चाहिए थी। फसल बोने के बाद से अभी तक सोयाबीन मात्र आधा फुट ही बढ़ पाई, जबकि डेढ़ से 2 फुट की ग्रोथ होनी चाहिए थी।

निंदा नाशक का नहीं हो रहा असर

खेड़ी कोर्ट के ही किसान पंजाब राव गायकवाड़ बताते हैं कि उन्होंने अपनी फसल पर निंदा नाशक का छिड़काव किया था, लेकिन लगातार हो रही बारिश से निंदा नाशक दवाई ने भी काम नहीं किया और फसल के साथ उगा निंदा भी फसल को बर्बाद कर रहा है।

अभिमन्यु अभियान: पुलिस ने छात्राओं को दी महिला अपराधों की जानकारी

मुलताई, देशबन्धु। साईखेड़ा पुलिस ने हायर सेकण्डरी स्कूल में अभिमन्यु अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को जागरुक किया है एवं शपथ दिलाई गई। जिसमें थाना प्रभारी साईखेड़ा निरीक्षक रविकान्त डेहरिया ने छात्र-छात्राओं को महिला संबंधी अपराधों के रोकथाम के बारे में, साईबर संबंधी, यातायात नियमों संबंधी जानकारी दी गई। छात्रा-छात्राओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहना के लिये समझाईश दी गई एवं दहेज प्रथा बंद करना, रुढ़िवादिता का विरोध करना, अश्लीलता एवं भ्रूण हत्या, अशिक्षा एवं लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरुक किया गया एवं पुलिस हेल्पलाइन नम्बर दिये गये। छात्र-छात्राओं को पम्पलेट एवं बेच प्रदान किये गये,वही प्रश्नावलि हल कराई गई एवं स्कूल के छात्र छात्राओं, स्कूल स्टाफ के साथ अभिमन्यु बेनर एवं कटआउट के साथ सेल्फी ली गई। उक्त कार्यक्रम मे स्कूल के प्रचार्य, शिक्षकगण, करीब 500 छात्र छात्राये एवं थाना साईखेड़ा पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

समस्त आदिवासी समाज संगठन की बैठक आज

बैतूल, देशबन्धु। समस्त आदिवासी समाज संगठन की बैठक 6 अगस्त को दोपहर 2 बजे से पडापेनठाना रैन बसेरा सदर बैतूल में आयोजित की गई हैं। कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप सिंह धुर्वे ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर यह अंतिम समीक्षा बैठक है। बैठक में संगठन के कार्यकर्ताओं से पूर्व बैठक में सौंपे गए कार्यों की जानकारी ली जाएगी।

एसडीओपी सिंह ने संभाला कार्यभार

मुलताई, देशबन्धु। मुलताई पुलिस अनुभाग मे हाल ही में पदस्थ हुए एसडीओ पुलिस सुरेश पाल सिंह ने आज एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाल लिया है। चार्ज संभालने के बाद उन्होंने मुलताई, बोरदेही और आमला टीआई की मीटिंग भी ली। उन्होंने कहा है कि मुलताई की ट्राफिक व्यवस्था को बहाल करना और पुराने अपराधों के निराकरण में तेजी लाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुलताई ताप्ती का उद्गम स्थल है, ऐसे में यहां की धार्मिक सोहार्द्रता बनी रहे,इसको लेकर भी पुलिसिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि जन सहयोग के बिना पुलिस अधूरी है, ऐसे में लोगों के साथ मुलताई क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयास करेंगे।

एसडीओपी सुरेश पाल सिंह ने आज मुलताई थाना प्रभारी प्रज्ञा शर्मा, आमला थाना प्रभारी संतोष पन्द्रे, बोरदही थाना प्रभारी की बैठक लेकर पूरे अनुविभाग की कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने टीआई से चर्चा में स्पष्ट निर्देश दिया कि महिला संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई करते हुए उनकी रोकथाम की जाए एवं आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इस प्रकार इसका ध्यान रखा जाए।

22 एनकाउंटर कर चुके हैं: मुलताई एसडीओपी के तौर पर चार्ज संभालने वाले सुरेश पाल सिंह इसके पहले चंबल क्षेत्र में रहे हैं, वहां पदस्थ रहने के दौरान नौकरी में उन्होंने 22 एनकाउंटर किए है। उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र जैसा रहता है, उस तरह से काम करना पड़ता है।

आंगनबाड़ी में अब प्री नर्सरी की तरह होगी पढ़ाई, कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

भैंसदेही, देशबन्धु। आंगनबाड़ी केंद्र अब प्री नर्सरी स्कूल के रूप में संचालित होंगे। महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जो 6 साल से कम उम्र के बच्चों को प्राइमरी शिक्षा देंगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाएंगी ताकि उन्हें आसानी से समझ आ सके। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्री स्कूल में पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण शासकीय कन्या उमावि भैंसदेही में संपन्न हुआ। जिसमें पांच दिनों तक शाला परिसर से 500 मीटर की दूरी में स्थित करीब 88 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर्स बीएल मालवीय, सुनील कुमार बोडखे, मंदा गणेशे, सुनिता शैलू ने बच्चों को चित्र, कार्टून, कठपुतली के अलावा खेल-खेल में पढ़ाने के रोचक तरीके बताए। नाच गाकर किसी तरीके से बच्चों को पढ़ाया जाता है, ताकि वे बेहतर तरीके से सीखें और समझे इसका प्रशिक्षण भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया है।

बच्चों को होगा बौद्धिक और शरीरिक, सामाजिक विकास: महिला बाल विकास विभाग भैंसदेही की परियोजन अधिकारी उषा मसीह ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को कार्यकर्ताओं द्वारा पांचों इंद्रियों का इस्तेमाल करके भावनाओं को व्यक्त करने, पढ़ने लिखने व अक्षरों, आकृतियों की पहचान, नमूने बनाना, लाइन बनाना, लाइन मिलाना आदि के माध्यम से पढ़ाया जायेगा। इन क्रियाओं के माध्यम से बच्चों के अंदर आत्म विश्वास का भाव जागृत होता है।

आंगनबाड़ियों का बदलेगा स्वरूप: प्री नर्सरी स्कूल की तर्ज पर इन आंगनवाडियों का स्वरूप प्ले स्कूल जैसा रहेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी उषा मसीह ने बताया कि प्ले स्कूल में आने वाले 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दी गई है, ताकि बच्चों का पांच तरह का विकास हो सके। इसके तहत बच्चों का शारीरिक, भाषायी, संज्ञानात्मक, सौंदर्य बोध और सामाजिक विकास किया जाएगा। जल्द ही आंगनबाड़ी में प्री-नर्सरी स्कूल की तरह पढ़ाई शुरू होगी।

राज्यसभा सांसद तन्खा का स्वागत

भेरुन्दा/नसरूल्लागंज, देशबन्धु। राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा नगर के एडवोकेट सुरेश चंद सेठी पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के निवास पर पहुंचे जहां उनका अभिभाषक संघ के सचिव एडवोकेट शरद व्यास, मनीष सेठी, एलएन यादव, लईक अहमद, रवि योगी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। अभिभाषक संघ सचिव शरद व्यास द्वारा लाइब्रेरी के लिए राशि की मांग पर तन्खा द्वारा पचास हजार रूपये देने की घोषणा की गई। अभिभाषक संघ द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुरेश चंद सेठी, संजीव अग्रवाल, सुनील गोलियां, राजकुमार धनास, संजय पटेल, सत्य नारायण पटेल, रमा पटेल, गोपाल शर्मा, रामस्वरूप पवार, संतोष गौर, मोरसिंह राजपूत, करण जाट, राजू कुशवाह, संतोष पटेल इत्यादि कॉन्ग्रेस नेतागण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस मंडलम सेक्टर कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

गंजबासौदा, देशबन्धु। ब्लॉक, नगर एवं ककरावदा ब्लॉक कांग्रेस के सभी मंडलम सेक्टर कार्यकर्ताओं की बैठक पूर्व विधायक निशंक जैन के कार्यालय में हुई। जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों में निर्वाचन नामावली में नाम जुड़वाने, हटवाने संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही सभी आवश्यक सामग्री का वितरण सभी बीएलए कार्यकर्ताओं को गई। पूर्व विधायक जैन ने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में किसी को भी प्रत्याशी बनाए सभी को मिलकर एक साथ पूरी ताकत से काम करना है। बैठक में सभी मंडल सेक्टर अध्यक्ष, बीएलए, सभी ब्लाक अध्यक्ष सहित प्रदेश महामंत्री विकास शर्मा उपस्थित थे।

राहुल गांधी को राहत पर की आतिशबाजी

भेरुन्दा/नसरूल्लागंज, देशबन्धु। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को सर्वोच्च न्यायालय ने मानहानि केस में 2 साल की सजा को स्थगन आदेश देते हुए उनकी संसद सदस्यता को बहाल किए जाने पर स्थानीय दुर्गा मंदिर चौहारे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार करते हुए आशिबाजी के साथ मिठाई वितरित कर खुशी जाहिर की गई। पूर्व जिला पंचायत सदस्य ममता कीर ने कहा कि भारत की न्यायपालिका की जीत हुई है और हमारे नेता को न्याय मिला है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेश चंद्र सेठी, कांग्रेस अनुसूचित जाति के जिलाध्यक्ष संतोष गौर ,संजीव अग्रवाल (टिन्नी भेया), फारुख खान, गोपाल शर्मा, के.के.तिवारी, संजय पटेल हवेली, सुनील शर्मा जनपद सदस्य, मोर सिंह राजपूत किसान कांग्रेस, हरिओम पवार, तुलसीराम बाकरिया, सैयद फुरकान अली (शैजान) ब्लॉक अध्यक्ष अल्पसंख्यक कांग्रेस, संतोष कक्का अशोक भाटी, नर्मदा प्रसाद बकोरिया, मालती मालवीय ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस , संतोष शर्मा हालियाखेड़ी, दिनेश कुशवाह ,जितेंद्र पवार जिला अध्यक्ष सेवा दल यूथ ब्रिगेड, संतोष पटेल इमलाडा, भगवान सिंह कुशवाहा, नर्मदा प्रसाद कुशवाह ,सुरेश कुशवाहा, घनश्याम कुशवाह, संतराम पवार, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य विकास शिविर का आयोजन

तप, सेवा और सुमिरन की पद्धति से शरीर रहता है स्वस्थ: डॉ. शास्त्री

गंजबासौदा, देशबन्धु। जिस तरह हम अपने मंदिर की सफाई का ध्यान रखते हैं उसी तरह यदि हम अपने शरीर की सफाई का ध्यान रखे तो आनंदित जीवन जी सकते हैं। शरीर की सफाई और सुंदरता केवल कपड़ों से नहीं है बल्कि यह अंदर की सफाई है जो कि तप, सेवा और सुमिरन की पद्धति पर चलकर ही दूर हो सकती है। यह बात मानस भवन में चल रहे आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य विकास शिविर में शनिवार को मेरठ से आईं वरिष्ठ साधिका डॉ. श्यामा शास्त्री ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि तप,सेवा और सुमिरन एक जीवन पद्धति है जिससे जोड़कर हम अपने जीवन को स्वस्थ और आनंदमय बना सकते हैं। आज यह पद्धति केवल भारतवर्ष में ही नहीं बल्कि विदेशों तक जा फैली है और लोग इसका अनुसरण कर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। आज हम अस्पताल, डाक्टरों और दवाइयों में अपने स्वास्थ्य की खोज करते हैं जबकि प्रकृति ने हमारे शरीर को पहले से ही स्वस्थ बनाया है लेकिन हमने इस शरीर को विकारों से अपने जीवन शक्ति को ढंक रखा है यदि हम अपने खानपान की आदतें सुधार लें तथा विकारों का आवरण हटा लें तो बिना दवाइयों के ही हम स्वस्थ हो जाएंगे। मंच का संचालन वीरेंद्र शर्मा ने किया जबकि स्वागत वरिष्ठ साधिका शारदा रघुवंशी, सुनीता भावसार एवं सीमा शर्मा ने किया।

विधायक और एसडीएम ने किया कार्यालयों का निरीक्षण

- उपस्थिति रजिस्टर में कर्मचारियों के हस्ताक्षर न मिलने पर विधायक ने जताई नाराजगी

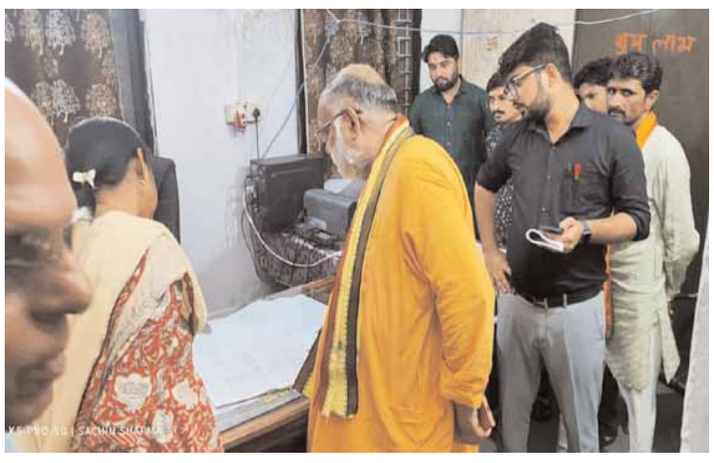

सिरोंज, देशबन्धु। सरकारी विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों के कामकाज की हकीकत को जानने के लिए विगत दिनों विधायक उमाकांत शर्मा अचानक तहसील कार्यालय पहुंच गए। सुबह से चल रही रिमझिम बारिश के कारण कार्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ था। कर्मचारी अपने कामकाज निपटाने में उलझे थे। ऐसे में अचानक विधायक को देख कोई कुछ समझ नहीं पाया। वे सीधे एसडीएम हर्षल चौधरी के ऑफिस में पहुंचे। यहां पर औपचारिक चर्चा के बाद विधायक एसडीएम के साथ ही तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के कक्षों में पहुंचे और वहां के कामकाज की स्थिति को देखा। इस दौरान विधायक शर्मा ने अपने समक्ष एसडीएम चौधरी को कार्यालयों की उपस्थिति पंजी के अवलोकन करने के भी निर्देश दिए। इसके बाद विधायक और एसडीएम राज बाजार स्थित जनपद पंचायत कार्यालय में पहुंच गए। यहां पर सीईओ वंदना शर्मा नहीं थी तथा विधायक प्रतिनिधि हमीरसिंह यादव अपने साथियों के साथ मौजूद थे। विधायक और एसडीएम सीधे बाबुओं के कक्ष में पहुंचे। एसडीएम ने यहां भी उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। इसमें कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर नदारद मिले। वहीं कर्मचारियों के अवकाश संबंधी जानकारी भी उल्लेखित नहीं थी। इसी दौरान यहां पर सीईओ भी आ गई। विधायक उनसे उपस्थिति पंजी की लापरवाही भरे रवैये को लेकर नाराजगी भी जताई। कार्यालय में करीब आधा घंटे रूकने के बाद वे वहां से वापस लौटे गए। विधायक शर्मा ने बताया कि अनेक दिनों से शासकीय कार्यालयों में कर्मचारियों के मनमाने रूप से काम करने और बिना अवकाश लिए गैर मौजूद रहने की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। इसके साथ ही आने वाले दिनों में अन्य विभागों का भी औचक निरीक्षण किया जाएगा। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की उपस्थिति का अवलोकन करना था। उपस्थिति पंजी में जो भी कमियां मिली हैं। उनसे संबंधितों को अवगत कराया है तथा हर सप्ताह और महीने में जरूरी कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

सार समाचार

गुना स्टेशन के कायाकल्प कार्यक्रम में आज भूमि पूजन करेंगे सांसद

गुना, देशबन्धु। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 28 करोड़ 51 लाख की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यक्रम में गुना-शिवपुरी-अशोकनगर सांसद डॉ. केपी यादव मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित होंगे। गौरतलब है कि संपूर्ण देश में 506 रेलवे स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे हैं। जिनमें से गुना, शिवपुरी व अशोकनगर रेलवे स्टेशन को लगभग 50 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुडकर सभी स्टेशनों के भूमिपूजन करेंगे तथा स्थानीय स्तर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद यादव तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता गुना विधायक गोपीलाल जाटव द्वारा की जावेगी। तय कार्यक्रम के अनुसार सांसद यादव 8 गुना के लिए अशोकनगर से प्रस्थान करेंगे। जहां प्रातः 9ः15 बजे गुना रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे,तत्पश्चात दोपहर 12 बजे गुना से अशोकनगर के लिए प्रस्थान करेंगे।

भारी पड़ा बाईक गिरवी रखना, 2 माह में ब्याज जुड़कर दुगुनी हुई राशि

गुना, देशबन्धु। शहर के पठार मोहल्ला निवासी एक युवक को मोटर सायकिल गिरवी रखना भारी पड़ा। दो माह में ही सूदखोर की ब्याज की गाड़ी इतनी रफ्तार से भागी कि 20 हजार रुपए की उधारी बढक़र 40 हजार रुपए हो गई। इस संबंध में जब फरियादी ने आपत्ति जताई तो उन सिर्फ उसके साथ गाली गलौंच की गई बल्कि जमकर लाठी-डंडों से मारपीट की। प्राप्त जानकारी के अनुसार पठार मोहल्ला निवासी अभिषेक लोधा ने दो माह पूर्व नईसडक़ निवासी विनोद कुशवाह को 20 हजार रुपए में अपनी मोटर सायकिल गिरवी रखी थी। शुक्रवार को शाम को जब अभिषेक एवं उसका बुआ का लडक़ा नीरज लोधा हिसाब करने गए तो विनोद बोला कि गाड़ी छुड़वाने के 40 हजार रुपए लगेंगे। जिस पर दोनों ने कहा कि चालीस हजार रुपए किस हिसाब से बन रहे हैं। इसी बात पर विनोद ने दोनों के साथ गाली गलौंच कर लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। दोनों को घायल अवस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने फरियादी नीरज की शिकायत पर आरोपी पर धारा 323, 294, 427 एवं 506 के तहत मामला दर्ज किया है।

मॉडर्न पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल मे चुनाव संपन्न

आष्टा, देशबन्धु। मॉडर्न पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल में छात्र/छात्राओं के प्रतिनिधि हेतु चुनाव सम्पन्न कराये गये। विधिवत चुनाव की तरह ही छात्र/छात्राओं को मतपत्र प्रदान किये गये एवं सभी छात्र/छात्राओं द्वारा गोपनीय मतदान किया गया। उमीदवार छात्र/छात्राओं ने अपने-अपने प्रचार स्वयं किये तथा बच्चो को अपने पद से संबंधित षिकायतो के निराकरण के लिये भरोसा दिलाया। चुनाव उपरांत मतगणना का कार्य की सूचना छात्र/छात्राओं को दे दी गई। संचालक अभिषेक परमार, प्राचार्य अमित यादव, उपप्राचार्य विकास चौरसिया, निर्मला सारसिया, अंजली चौरसिया, करिष्मा चौपड़ा, रचना ठाकुर चुनाव अधिकारीयो के सहयोग से चुनाव कार्य को सम्पन्न करवाया गया। निर्वाचन के लिये अपने पद हेतु उमीदवारों में हेड बॉय- विषाल मालवीय, आयुष सोलंकी, हेड गर्ल- अदिबा खान, नन्दनी सितोलिया, स्पोर्टस मिनिस्टर बोय प्रणय किलोदिया विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

समधी को हुआ समधन से प्यार, धमकियों से परेशान होकर मौत को गले लगाया

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत एक अधेड़ को अपनी समधन से इश्क हो गया। दोनों समधि-समधन ने घरवालों से छिपकर कोर्ट मैरिज की पूरी तैयारी भी कर ली। इश्कबाजी की जानकारी जैसे ही महिला के बेटों-भाई और रिश्तेदारों को लगी तो वह आएं दिन अधेड़ को जान से मारने की धमकी देने लगे। वहीं प्यार की खबरें ओपन होने से घर में भी क्लेश होने लगा। गत दिवस मृतक का बेटा अपनी सास और रिश्तेदारों को समझाने ससुराल गया था। तभी अधेड़ ने शुक्रवार दोपहर को सल्फॉस की गोली खा ली। जिसे उसके छोटे बेटे ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुना निवासी कैलाश प्रजापति (50) ने अपने बड़े बेटे का विवाह 8 वर्ष पूर्व 2015 में पड़ोसी जिले अशोकनगर के ग्राम तूमैन निवासी युवती से किया था। बेटे की शादी के कुछ साल बाद पिता को अपनी समधन से प्यार हो गया। कुछ सालों तक दोनों के बीच छिप-छिप कर मेलमिलाप चलता रहा। इस दौरान मृतक अधेड़ अपनी समधन को गहने सहित नगदी आदि देता रहा। वहीं दोनों ने कोर्ट मैरिज करने की तैयारी शुरू कर दी और उसके कागजात तैयार करवा लिए। इसी बीच दोनों के इश्क की जानकारी महिला के बेटों और भाईयों सहित अन्य रिश्तेदारों को लग गई। जिसके बाद रिश्तेदार इनके खिलाफ हो गए। इधर कैलाश के घर में भी क्लेश होने लगा। महिला के परिजन लगातार कैलाश को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इस संबंध में कैलाश ने कुछ समय पूर्व अशोकनगर पुलिस को भी लिखित शिकायत की थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। गत दिवस भी महिला के रिश्तेदारों का धमकी भरा फोन कैलाश के पास आया। जिसके बाद उसका बड़ा बेटा अपनी सास और रिश्तेदारों को समझाने ससुराल पहुंचा। इसी बीच अधेड़ ने आएं दिन मिल रही धमकियों से परेशान होकर सल्फॉस की गोली खा ली। जैसे ही इसकी सूचना उसके छोटे बेटे को मिली, तो वह तत्काल उसका उपचार कराने जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां अधेड़ ने मौत के पूर्व समधन के रिश्तेदारों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाएं और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक का बेटा तो तत्काल गुना आ गया। लेकिन बहू नहीं आई।

मजदूरी कर गुजरात से लौट रहे थे दंपत्ति, बस स्टेंड से पत्नी हुई गायब

गुना, देशबन्धु। जिले के चांचौड़ा थानांतर्गत बीनागंज बस स्टेंड से एक व्यक्ति की पत्नी अचानक गायब हो गई। दोनों दंपत्ति गुजरात से मजदूरी करके घर लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशकलां निवासी सरवन भील और उसकी पत्नी सुनीता गत दिवस मजदूरी कर गुजरात से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बीनागंज बस स्टैंड से सरवन भील की पत्नी कहीं गायब हो गई। इस मामले में फरियादी द्वारा पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई हैं। पर अब तक फरियादी की कोई सुनवाई नहीं हुई है। जबकि मामले में पुलिस और महिला के पति द्वारा सोशल मीडिया पर भी महिला के फोटो डाले गए हैं, और लोगों से अपील की जा रही है कि अगर आप को कहीं भी फोटो में दिख रही महिला दिखाई दे तो, नजदीकी पुलिस थाने में सूचना दें। जबकि दूसरी ओर पुलिस और महिला के पति द्वारा लगातार महिला की तलाश की जा रही है पर अब तक महिला का कुछ पता नहीं चल पाया है।

हत्या के मामले में पिता की गवाही पर हुई बेटे को आजीवन कारावास की सजा

गुना, देशबन्धु। सत्र न्यायालय द्वारा हत्या के एक मामले में पिता की गवाही पर आरोपी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। लोक अभियोजक अलंकार वशिष्ठ ने बताया कि घटना के अनुसार 17 सितंबर 22 को रात्रि 8ः30 से 9ः30 के बीच आरोपी गुड्डा पिता करन सहरिया निवासी कालापहाड़ थाना म्याना द्वारा अपने काजिन भाई सुधर सिंह की हत्या पत्थर की सिल मार-मारकर कर दी थी। वहीं पिता करन सिंह पर भी जान से मारने की नियत से हमला किया था। मृतक की पत्नी रामकली ने रात्रि में पुलिस को घटना की रिपोर्ट की। पुलिस ने संपूर्ण विवेचना के उपरांत न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र सिंह राजपूत के न्यायालय में साक्ष्य के समय आरोपी के पिता करण सिंह ने घटना को छुपाने का असफल प्रयास भी किया और बताया कि मुझे चोट आने के बाद मैं घटनास्थल से भाग गया था। उसके बाद मुझे पता नहीं क्या हुआ। मृतक को अंतिम बार आरोपी के साथ लड़ते हुए आरोपी का पिता छोडक़र आया था। इस बिंदु पर लोक अभियोजक अलंकार वशिष्ठ के तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी को भादवि की धारा 302 में आजीवन कारावास की सजा से दंडित करते हुए कहा कि भले ही करन ड्डसह (आरोपी का पिता) ने अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया, लेकिन फिर भी इस साक्षी को साक्ष्य में जो तथ्य सामने आएं हैं उन पर अविश्वास नहीं किया जा सकता और साक्ष्य के आधार पर आरोपी को दोषसिद्ध होता है और आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया जाता है।

चांचौड़ा में कर्मचारी कांग्रेस की बैठक आज

गुना, देशबन्धु। मप्र कर्मचारी कांग्रेस के तत्वाधान में 6 अगस्त को प्रातः 11 बजे कम्युनिटी हॉल चांचौड़ा में समस्त कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएंगी। जिसमें जिला कर्मचारी कांग्रेस संघ अध्यक्ष प्रमोद रघुवंशी मुख्य रूप से शामिल होंगे। ब्लॉक एवं तहसील कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुमंत सिंह मीना तथा रामबहादुर भील ने कर्मचारियों से बैठक में शामिल होने की अपील की है।

13-15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान का होगा आयोजन

गुना, देशबन्धु। आजादी के अमृत महोत्सव के समापन में हर एक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इस साल भी सरकार 13-15 अगस्त, के बीच हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन कर रही है। देश में 1.6 लाख पोस्ट ऑफिसेज के बड़े नेटवर्क का फायदा उठाने और अभियान के तहत देश के सभी पोस्ट ऑफिस में भारतीय तिरंगा को उपलब्ध करने का फैसला लिया गया है। ताकि देश के कोने कोने में आम जनता को तिरंगे उपलब्ध हो सके। गुना डाक संभाग के डाक अधीक्षक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि डाक संभाग के तीन जिलों के 400 से अधिक डाकघरों में तिरंगे उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। लोग अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस में जाकर झंडा प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डाक विभाग की ई-पोस्ट ऑफिस सुविधा के जरिए भी राष्ट्रीय ध्वज लिया जा सकेगा।

सोशल मीडिया पर अपलोड कर सकते हैं सेल्फी : देश के लोग अपने घरों और ऑफिस पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी ले सकते हैं और हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड कर सकते हैं. इसके जरिए हर घर तिरंगा अभियान का सजग हिस्सा बन सकते हैं।

कांग्रेसियों ने मनाया कार्यकारिणी अध्यक्ष कमल सेठ का जन्मदिन

आष्टा, देशबन्धु। कार्य कारिणी अध्यक्ष कमल सेठ बैजनाथ खामखेड़ा का जन्मदिन गावं सहित ष्षहर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कई जगह केक काटा गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र ष्षोभाखेड़ी के सेमनरी रोड स्थित कार्यालय मे कांग्रेस जनो ने एक होकर कमल सेठ के जन्मदिन पर साफा बांधकर मालाओ से भव्य स्वागत किया। वही केक काटकर जन्मदिन मनाते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिले में अब तक 465.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सुबह से जारी हल्की फुहारें, छाए रहे बादल

गुना, देशबन्धु। जिला मुख्यालय सहित अंचलभर में पिछले तीन दिनों से हल्की मध्यम वर्षा का दौर जारी है। शनिवार को भी रिमझिम फुहारें शहर को भिगोती रहीं। इससे मौसम खुशनुमा बना रहा। हालांकि झमाझम वर्षा का इंतजार अब भी बरकरार है। अब उम्मीद शेष वर्षाकाल से है। फिलहाल जिले में बारिश का आंकड़ा 50 फीसदी भी नहीं हुआ है। अगस्त एवं सितंबर तक उम्मीद है कि जिला औसत वर्षा का आंकड़ा छू लेगा। जिले में अब तक 465.1 मिमी वर्षा ही हुई है। जबकि जिले की औसत वर्षा का आंकड़ा 1053.5 मिमी है। उल्लेखनीय है किशनिवार सुबह शहर में बारिश की हल्की फुहारें शाम तक जारी रही और बादल छाए रहे। सुबह से दिनभर रूक-रूककर बारिश होती रही। सुबह पश्चिमी और दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 18 किलोमीटर प्रति घंटा की गति चली और शहर में धुंध का असर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को भी शहर में दिनभर बादल छाए रहेंगे और हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी शहर में बादल छाए रहे और दिनभर वर्षा की हल्की फुहारे व हल्की वर्षा जारी रही। बादलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली।

पिछले 24 घण्टे. में 20.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज : इधर जिले में 01 जून से अब तक 465.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 44.1 प्रतिशत है। जिले में गतवर्ष इसी अवधि में 688.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिमी है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 05 अगस्त प्रातः 8 बजे तक तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 595.8 मिमी, बमौरी में 599.4 आरोन में 389.0, राघौगढ़ में 254.0, चांचौड़ा में 536.0 तथा कुम्भराज में 417.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 20.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में गुना में 19.2 मिमी, बमोरी में 20 मिमी., आरोन में 30 मिमी., राघौगढ़ में 24 मिमी., चांचौड़ा में 8 मिमी. एवं कुंभराज में 24 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

शिवानी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मायके और ससुराल पक्ष में हुआ विवाद

मुरैना, देशबन्धु। नूराबाद थाना क्षेत्र के विसेठा गांव में शुक्रवार की दोपहर शिवानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष का कहना है कि कूलर का करंट लगने से मौत हुई है, जबकि मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या करने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवानी गुर्जर 19 निवासी गडोरा का विवाह 6 माह पूर्व जनवरी 2023 में अतवीर गुर्जर निवासी विसेंठा

नूराबाद के साथ हुआ था। मृतिका शिवानी के परिजनों का आरोप है कि काफी समय से लडके के परिजन फोन कर दहेज के लिए मांग कर रहे थे, लड़की के पिता का हाल ही में देहांत हो गया था और मां घर में अकेली है तथा आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके बावजूद भी लड़का पक्ष द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा था तथा बच्ची को मारने की धमकी दी जा रही थी। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर को सूचना मिली कि शिवानी की मौत हो गई है। इस घटनाक्रम की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिस पर से एसडीओपी बानमोर उनके साथ मौके पर पहुंची, परंतु वहां कोई परिजन नहीं मिला।

लड़का पक्ष ने करंट लगने से शिवानी की मौत होना बताया है, जबकि शिवानी के परिजनों ने उसकी हत्या का आरोप लगाया है। शनिवार की सुबह जब शिवानी का पीएम होने के लिए दोनों पक्ष पीएम हाउस पर एकत्रित थे, तब भी दोनों पक्षों में जमकर विवाद हुआ, जिससे वहां पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। फिलहाल नूराबाद थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच आरंभ कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की

आष्टा, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मिलने के लिए आष्टा के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनूप जैन कचरू सेठ ने आष्टा विधान सभा 157 के चुनाव के संबंध में भोपाल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से चर्चा की ओर इस आष्टा विधानसभा जितने के लिए मजबूत उम्मीदवार को टिकिट देने की मांग की। इस चर्चा में कांग्रेस के युवा नेता मनीष डोगरे, भुरू मुकाती, पूर्व पार्षद हेमंत सोनी, डॉ राजेंद्र जैन, राजेंद्र जैन चर्चा में शामिल थे, इस अवसर पर कमलनाथ ने आश्वत किया की सर्वे कराकर योग्य उम्मीदवार दिया जाएगा, हर हालत में आष्टा सीट जीतेगी सभी कार्यकर्ता चुनाव कार्य में लग जाओ, अनूप जैन ने कमलनाथ को विश्वास दिलाया हम सब मिलकर कांग्रेस के उम्मीदवार को जिताने के लिए मेहनत करेंगे।

सरायछोला पुलिस ने गिरफ्तार किया 5 हजार का इनामी आरोपी

मुरैना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, अति. पुलिस अधीक्षक अरविन्द ठाकुर एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिला मुरैना के अंतर्गत इनामी फरारी, स्थाई वारन्टियो की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के अंतर्गत थाना सरायछौला पुलिस को थाना सरायछोला के अप.क्र 37/23 धारा 307, 147, 148, 149, 427 भादवि 25/27 आयुद्ध में 5000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। उक्त आरोपी द्वारा अपने साथियों से साथ मिल कर 01 मार्च 2002 को रात्रि 10 बजे के लगभग थाना सरायछोला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हेतमपुर नरूआ के पास फरियादी व उसके साथियों को जान से मारने की नियत से उनकी स्कार्पियों गाडी पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। जिसमें फरियादी व उसके साथी गंभीर रूप से घायल हुये थे। घटना के बाद कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास करने के संबंध में अपराध पंजीबद किया गया था तथा सभी आरोपीगणों की गिरफ्तारी पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक द्वारा रूपये 5000-5000 का इनाम घोषित किया गया था। उक्त आरोपी को 07 जुलाई 23 को थाना मनियां जिला धोलपुर राजस्थान में अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया था। जिससे माननीय न्यायालय मुरैना द्वारा प्रोडक्शन वारंट पर तलब करने पर गिरफ्तार कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया। जिसे माननीय न्यायालय में पेश किया जावेगा।

यातायात व्यवस्था के लिए ई रिक्शा बने नासूर, पुलिस ने निकाली हवा, अब होगी जुर्माने की कार्यवाई

मुरैना, देशबन्धु। शहर में हजारों की संख्या में ई रिक्शा संचालन से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और आए दिन सड? दुर्घटनाएं घटित हो रही है। परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस द्वारा रूट निर्धारित किए जाने तथा रजिस्टर्ड ई-रिक्शा ही संचालित किए जाने के आदेश के बाद भी शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के हजारों रिक्शा संचालित हो रहे हैं। यातायात पुलिस ने शनिवार को हवा निकाल कर उन्हें चेतावनी दी है तथा अब आगामी दिनों में उन पर कार्यवाही कर कोर्ट में चालान किए जाएंगे।

ज्ञात रहे कि शहर में लगभग 4000 के लगभग ई-रिक्शा संचालित हैं, जिनमें तमाम बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को देखते हुए पूर्व में परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस द्वारा जिला कलेक्टर के निर्देश पर रूट का आवंटन किया गया था। रूट आवंटन होने के बाद भी ई-रिक्शा संचालक मनमर्जी मुताबिक मार्गों पर चल रहे हैं। शहर में बेतहाशा रिक्शा संचालन से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और आए दिन जाम की स्थिति सड?ों पर पैदा हो रही है। यही नहीं ई-रिक्शा को तमाम नाबालिग भी चला रहे हैं और दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शनिवार को यातायात प्रभारी रोहित यादव ने पुलिस बल के साथ कोतवाली के बाहर एमएस रोड तथा पुल तिराहे पर बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित ई-रिक्शा की हवा निकालने का अभियान चलाया और उन्हें हिदायत दी। श्री यादव ने बताया कि तमाम समझाइश देने के बाद भी ई-रिक्शा संचालक नहीं मान रहे हैं। अब आगामी दिनों में उन पर कार्यवाही करते हुए कोर्ट में पेश किया जाएगा, जब बड़ा जुर्माना होगा, तभी इस व्यवस्था को सुधारा जा सकता है।

जिले में 4 स्थानों पर होगा संवाद एवं जनजागरण अभियान का आयोजन

कल आएंगी संत रविदास समरसता यात्रा, कलेक्टर ने तैयारी के संबंध में की बैठक

गुना, देशबन्धु। *कलेक्टर तरूण राठी द्वारा संत शिरोमणि रविदास समरसता यात्रा के संबंध में बैठक का आयोजन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समरसता यात्रा जिले के तीन विकासखण्डों के लगभग 20 ग्राम एवं कस्बों में होते हुए गुजरेगी। जिसमें अलग-अलग स्थानों पर स्वागत, कलश यात्रा, बालिका पूजन, भजन कीर्तन, संतों का उद्बोधन तथा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्त यात्रा के सफल आयोजन एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारियां दी गयी हैं और निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को जोडक़र कार्यक्रम का लोकोत्सव की तरह आयोजन किया जाए।*

उल्लेखनीय है कि यह यात्रा संत शिरोमणि रविदास मंदिर निर्माण हेतु मिट्टी एवं जल संग्रहण एवं जनजागरण अभियान के लिए समरसता यात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह चौहान द्वारा संत शिरोमणि सदगुरू रविदास के सागर में मंदिर निर्माण के लिए पूरे प्रदेश में निकाली जाने वाली समरसता यात्रा का शुभारंभ सिंगरौली जिले के बैडऩ से 25 जुलाई को किया गया।

तीसरी यात्रा श्योपुर से शुरू होकर 9 जिलों श्योपुर-मुरैना-भिण्ड-दतिया-ग्वालियर-शिवपुरी-गुना-अशोकनगर-बीना-खुरई-सागर पहुंचेगी। 12 अगस्त को सागर में समापन होगा।

यात्रा का गुना में प्रवेश के दौरान यह रहेगा रूट चार्ट : *संत शिरोमणि रविदास की समरसता यात्रा का 7 अगस्त को दोपहर 2 बजे म्याना आगमन होगा। इस दौरान ग्राम भदौरा, पाटई, ऊमरी, सिमरोद, अमरोद, बागेरी होते हुए सांय 04 बजे बमोरी में जनसंवाद कार्यक्रम मण्डी प्रांगण में आयोजित किया जायेगा। 8 अगस्त को प्रातः 10 बजे गुना में शुभ विदाई गार्डन जिला पंचायत विश्राम गृह गुना में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा।*

इस दौरान कलश यात्रा, बालिका पूजन, अतिथि स्वागत, भजन कीर्तन, संतों का उद्बोधन तथा प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरण होगा। इसके पश्चात शहर के हाट रोड, सदर बाजार, लक्ष्मीगंज, जज्जी बस स्टेण्ड, चिंताहरण मंदिर होते हुए रूठियाई, साडा कालोनी, आवन के हनुमान मंदिर पर जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके पश्चात 8 अगस्त को सांय 4 बजे बीनागंज स्थित कम्युनिटी हॉल में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। फिर राघौगढ़ आरोन होते हुए यात्रा अशोकनगर जिले में प्रवेश करेगी।

सार समाचार

राज्यपाल मंगुभाई पटेल स्वतंत्रता दिवस पर राजभवन पचमढ़ी में करेंगे ध्वजारोहण

नर्मदापुरम,देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के पचमढ़ी

स्थित राजभवन में ध्वजारोहण करेगें। शनिवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने पचमढ़ी में राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण कार्यक्रम,मंच व्यवस्था, गणमान्य नागरिकों के आमंत्रण, ट्रैफिक, पार्किंग, सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यक्रमों के लिए सौपे गए दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करें। सीईओ कैंट, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, उप संचालक एसटीआर संदीप फेलोज, एसडीएम पिपरिया संतोष तिवारी, एसडीओपी अजय वाघमारे, डीएसपी ट्रैफिक संतोष कुमार मिश्रा, डीएसपी अजाक्स रोहित राठौर, आरआई विजय शंकर दुबे, ई पीडब्ल्यूडी वीके शर्मा, सहायक यंत्री पीडब्ल्यूडी कैलाश गुर्धे, जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

समेरिटंस सीनियर सेकंडरी स्कूल मे एनसीसी कैडेट्स के लिए बालिकाओ का हुआ चयन

नर्मदापुरम,देशबन्धु। 5 एमपी बालिका बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी के निर्देशन मे समेरिटंस सीनियर सेकंडरी स्कूल मे एनसीसी बालिका बर्ग कैडेट्स हेतु बटालियन के आर्मी प्रतिनिधि हवलदार बलवान सिंह के प्रतिनिधित्व मे तथा संथान के केयर टेकर एनसीसी अधिकारी ममता चौहान के द्वारा 50 बालिकाओ का शारीरिक परीक्षण कर चयन किया गया। डायरेक्टर डॉ आशुतोष शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत के मार्गदर्शन तथा संस्था के सहयोगी एनसीसी अधिकारी टीओ विजय प्रकाश श्रीवास्तव, मैनेजर प्रदीप यादव का सहयोग रहा।

नर्मदा का जल स्तर बढ़ा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 3 अगस्त की रात बरगी डैम से छोड़ा गया पानी 5 अगस्त की सुबह नर्मदापुरम पहुंचना शुरू हो चुका है। सेठानी घाट समेत जिलेभर में नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सुबह 5 बजे सेठानी घाट पर जलस्तर 957.60 फीट पहुंच गया। यह अलार्म लेवल से 7 फीट नीचे है। नर्मदा नदी खतरे के निशान से करीब 10 फीट नीचे है। कंट्रोल रूम में जलस्तर की पल-पल की मॉनिटरिंग की जा रही है। शनिवार को रात 8 बजे सेठानी घाट पर नर्मदा का जल स्तर बढ़ कर 957.80 फिट पहुंच गया। हालांकि स्थानीय नालों में बरसाती पानी की आवक नहीं हो रही। इससे बाढ़ या जलभराव की स्थिति फिलहाल नहीं बनी है, लेकिन खतरा जरूर मंडरा रहा है। नर्मदा का जलस्तर बढ़ने मालाखेड़ी, गोरा-शुक्करवाड़ा के बीच समेत कई नदियों में बैकवॉटर भराने लगा है।

तवा बांध से पावर हाउस को पानी देना शुरु, खुल सकते हैं गेट

इटारसी, देशबन्धु। तवा बांध के गेट कभी भी खुल सकते हैं। बांध में 15 अगस्त तक के लिए निर्धारित जलस्तर से अधिक पानी आ गया है और वर्तमान में पानी की लगातार अच्छी आवक बनी हुई है। बांध से एचईजी पावर हाउस को करीब 2200 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है।

बांध में करीब 45 हजार क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है। वर्तमान में जलस्तर 1160.30 चल रहा है, यदि 1161 हो गया तो फिर गेट खोलकर कुछ मात्रा में पानी छोड़ा जा सकता है, क्योंकि आवक ज्यादा है और डिस्चार्ज 2200 क्यूसेक बहुत कम है। बांध का लेवल मेंटेन रखने और नर्मदा में बाढ़ की स्थिति न बने, इसे देखते हुए बांध प्रबंधन जिला प्रशासन के साथ तालमेल करके ही आगे निर्णय लेगा। दरअसल, बरगी के गेट खुले हुए हैं और वहां से लगातार बड़ी मात्रा में पानी नर्मदा में आ रहा है। नर्मदा नदी का जलस्तर शाम 5 बजे 957.60 फीट था। उधर सांडिया पुल के काफी निकट पानी पहुंच चुका है। यदि लगातार पानी आता रहा तो जल्द ही पानी पुल को छूकर निकलने लगेगा। नर्मदा में लगातार पानी की बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन भी चौकस है।

इनका कहना है

बांध में अच्छा पानी आ रहा है। फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। यदि आवक अच्छी बनी रही और गवर्निंग लेबल से बहुत ज्यादा पानी आया तो कुछ मात्रा में पानी छोड़ा जाएगा। फिलहाल बरगी से पानी छोड़ने पर नर्मदा में पानी ज्यादा है, ऐसे में हम भी छोड़ेंगे तो स्थिति बिगड़ सकती है। तवा में अभी ऐसी कोई इमरजेंसी नहीं है कि पानी छोड़ना पड़े। मौसम की स्थिति देखकर निर्णय लिया जाएगा।

व्हीके जैन, कार्यपालन यंत्री

केसला के झुनकर रोड पर युवक की हत्या

इटारसी/केसला, देशबन्धु। विकासखंड केसला के ग्राम झुनकर रोड पर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। हमलावर फिलहाल अज्ञात है। मृतक की पहचान हो चुकी है। घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखतवा लाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि युवक को गोली मारी गयी है, हालांकि एसडीओपी ने अभी गोली मारने की पुष्टि नहीं करके केवल यह कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चलेगा। घटना की सूचना मिलने पर केसला पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। मृतक की शिनाख्त गणेश पिता केसरी कहार 45 वर्ष के तौर पर हुई है। बताया जाता है कि गणेश कहार अपने साले परमसुख के साथ झुनकर जा रहा था, अज्ञात नकाबपोश बाइक सवार ने आकर गाड़ी रुकवाई और कनपटी पर सटाकर गोली चला दी और फरार हो गया। शाम पांच बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र युवक का शव लाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अस्पताल के डाक्टर ने भी अभी गोली मारने की पुष्टि नहीं की है।

अमृत भारत स्टेशन योजना : इटारसी में शिलान्यास कार्यक्रम आज

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन इटारसी को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है। इसके तहत रेलवे स्टेशन में उन्नयन के लिए कार्य होंगे। योजना का शिलान्यास कार्यक्रम 6 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा रहेंगे।

रेल्वे की अधोसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) के उन्नयन हेतु इटारसी स्टेशन पर आयोजित अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 29.9 करोड़ रुपए से पुनर्विकास के लिए शिलान्यास कार्यक्रम सुबह 9 बजे रेलवे स्टेशन के नये फुट ओवरब्रिज 12 बंगला तरफ होगा। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा (वर्चुअल) किया जा रहा है।

नागद्वारी मेले में डबल डेकर वोल्वो बसों का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में 12 अगस्त से 22 अगस्त तक सुप्रसिद्ध नागद्वारी मेले का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को संजय गांधी संस्थान पचमढ़ी में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने मेले की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा और मेले के सुचारू संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों को मेला स्थल पर ले जाने वाले टैक्सी वाहनों में निर्धारित रेट लिस्ट चस्पा की जाए। श्रद्धालुओं से यात्री शुल्क लेने में किसी प्रकार की विसंगतियां ना हो इसका भी विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम के लिए बस स्टैंड के पास अस्थाई वाटरप्रूफ टेंट भी लगाए जाने के निर्देश दिए। ट्राफिक व्यवस्था की समीक्षा कर कलेक्टर ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि मेला अवधि के दौरान वोल्वो डबल डेकर बसों का पचमढ़ी में प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। ताकि पचमढ़ी मार्ग में जाम की स्थिति निर्मित ना हो। प्रतिबंध के संबंध में आदेश भी जारी करें। कलेक्टर ने पिपरिया से मटकुली एवं मटकुली से पचमढ़ी मार्ग में शोल्डर मरम्मत की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पचमढ़ी मार्ग में पड़ने वाले मोड़ो पर लेंस एवं रिफ्लेक्टर लगाएं जाए।

उन्होंने कैंट क्षेत्र मार्ग की मरम्मत भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि अवैध शराब के भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जाए। उन्होंने मेले में तैनात बलों के लिए भोजन एवं रहने की भी बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला अवधि के दौरान साफ सफाई एवं पेयजल आदि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मेडिकल टीम की ड्यूटी लगाने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रहे। बड़े वाहनों को मटकुली पॉइंट पर ही रोका जाए।

ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने पुलिस, राजस्व एवं होमगार्ड के अमले को सजग रहने और। पूरी तत्परता से काम करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ कैंट,अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, उप संचालक एसटीआर संदीप फेलोज,एसडीएम पिपरिया संतोष तिवारी, एसडीओपी अजय वाघमारे, डीएसपी ट्रैफिक संतोष कुमार मिश्रा, डीएसपी अजाक्स रोहित राठौर, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट राजेश जैन, आरआई विजय शंकर दुबे, थाना प्रभारी बनखेड़ी रूपलाल उईके, ई पीडब्ल्यूडी वीके शर्मा, सहायक यंत्री पीडब्ल्यूडी कैलाश गुर्धे, जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर दिनेश देहलवार सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

चुनाव से पहले भाजपा में बनी अंतर्कलह की स्थिति

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जिला भाजपा में विरोध की राजनीति के स्वर मुखर होते दिखाई दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि चुनाव से पहले ही परिवारवाद का विरोध तेज होने लगा है। क्योंकि टिकिट के लिए संगठनों के पदाधिकारी व अन्य दावेदार सक्रिय हो गए है। लंबे समय एक ही व्यक्ति को जनप्रतिनिधि को देखते-देखते कई विधानसभाओं में संगठन के लोगों का भी मन भर चुका है। अब परिवर्तन कर नए चेहरे का देखना चाह रहे है। सूत्रों ने बताया कि होशंगाबाद-इटारसी क्षेत्र से भाजपा के करीब 13 पदाधिकारी बीते दिनों भोपाल पहुंचे और प्रदेश प्रभारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित संगठन के वरिष्ठ नेताओं से मिले हैं। बताया जाता है कि इनमें से कुछ ने टिकट की दावेदारी जताई है। साथ ही एक ही परिवार को बार-बार टिकट देने पर आपत्ति दर्ज कराई है। बताया जाता है कि नेताओं ने एक स्वर में कहा कि यदि अब बदलाव नहीं किया गया, तो वे पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। ज्ञात हो कि होशंगाबाद-इटारसी विधानसभा पर एक ही परिवार का दबदबा रहा है। लेकिन इस बार अब उनके खिलाफ, उनकी ही पार्टी के, उनके विरोधी धड़े ने खुलकर बगावत कर दी है। यह धड़ा संगठन में प्रदेश स्तर से जिला स्तर तक पकड़ में मजबूत है। शुक्रवार को नर्मदापुरम-इटारसी से एकजुट होकर करीब एक दर्जन भाजपा पदाधिकारी व दावेदार राजधानी भोपाल में प्रदेश कार्यालय पहुंचे। प्रदेश प्रभारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मिले। पार्टी हाइकमान से मिलकर सभी दावेदारों ने अपनी अपनी सक्रियता से अवगत कराया।

ट्रैकमेनों के शोषण के खिलाफ किया धरना-प्रदर्शन

इटारसी, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे कर्मचारी परिषद भोपाल मंडल के द्वारा एसएसई पीडब्ल्यूआई की ट्रेकमेनों के शोषण, तानशाही एवं दुर्व्यवहार के खिलाफ रैली एवं धरना सहायक मंडल अभियंता (एम) के कार्यालय पर किया गया।

रैली का नेतृत्व मंडल सचिव योगेन्द्र शर्मा ने किया। शाम करीब साढ़े चार बजे पार्सल कार्यालय के सामने एकत्र होकर प्लेटफार्म नंबर 1 से सभी कार्यालयों के सामने से निकलते हुए पैदल पुल से होकर रैली एडीईएन (एम) कार्यालय पर धरना में बदली। इस दौरान बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

रैली को बीआरएमएस के सदस्य बीआर सिंह, भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश मंत्री वंदना राजोरिया, पीएमआरके पी के महामंत्री शिशिर रिछारिया, मंडल अध्यक्ष एवं बीएमएस के मध्य प्रदेश कोषाध्यक्ष उमेश शर्मा, धनश्याम यादव, उपाध्यक्ष अचला मिश्रा, अश्विनी कुमार, पुष्पेन्द्र चौहान आदि ने संबोधित किया। भारत माता के नारों के साथ भृष्ट, प्रशासन के खिलाफ शोषण के खिलाफ नारे बुलंद किये। 150 से 200 की संख्या में रेल कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

मौके से एडीईएन व एसएसई गायब रहे। भविष्य में यदि रेल प्रशासन ने तानाशाही दुर्व्यवहार एवं शोषण पर रोक नहीं लगाई तो पीएमआरकेपी डीआरएम, जीएम व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रदर्शन कर अपना विरोध जारी रखेगी।

निनाद सिंगर्स ने देर रात तक गाये किशोर के तराने

इटारसी, देशबन्धु। देश के सुप्रसिद्ध हरफनमौला पार्श्व गायक किशोर कुमार का जन्मदिवस निनाद सिंगर्स ने हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर किशोर दा के पोट्रेट के समक्ष उपस्थित मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष पंकज चौरे, सर्वब्राह्मण समाज के अध्यक्ष जितेन्द्र ओझा, वरिष्ठ पत्रकार शिव भारद्वाज व शैलेष जैन व समस्त निनाद सिंगर्स उपस्थित थे। केक काटने के बाद शुरू हुआ किशोर साहब के गीतों का दौर देर रात तक चला जिसमें शहर के वरिष्ठ गायक जितेन्द्र ओझा, आलोक गिरोटिया, अमिताभ बैस, अतुल शुक्ला, शशांक बैसाखिया, प्रदीप बैस, अजय राज, संजय दीवान, मनोज जाट, अभिमन्यु बैस, चंदन बंसल, मिंटु गांधी, विशाल पांडे ने दो राउंड्स में एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी।

विधायक कप के दूसरे दिन आज बैडमिंटन के 27 मैच खेले गए

इटारसी, देशबन्धु। सिटी स्पोर्ट्स काम्पलेक्स इटारसी के बैडमिंटन इनडोर हॉल में आज विधायक कप खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत 27 मैच खेले गये। आज बैडमिंटन खिलाड़ियों में खासा उत्साह था। कहीं पीवी सिंधु तो कहीं श्रीकांत, लक्ष्य सेन के हुनर दिखाई दे रहे थे। संयोजक आयोजन समिति जगदीश मालवीय एवं संजीव दीपू अग्रवाल ने बताया कि आज 18 वर्ष की उम्र से कम बालक बालिका, 11 वर्ष की उम्र से कम, 25 वर्ष की उम्र से कम और 25 वर्ष की उम्र से अधिक के पुरुषों ने अपने खेल दिखाया। आज के मैच जो खेले गए उनमें अक्षांश के विरुद्ध अनुज गुप्ता के बीच में खेला गया जिसमें अक्षांश सराठे जीते। अमन एवं कनिष्क कुशवाह में अमन विनर रहे। सुहानी सक्सेना एवं आरना सिंह में सुहानी, आयन एवं भारवी पटेल में अयान, हैनू सिंह एवं परिषी में पारीषि पहाड़िया विजयी रहे।

इसी तरह से शीला गीतांजलि एवं समृद्धि के बीच मैच में समृद्धि, कृष्णा एवं अभिषेक में अभिषेक, पूर्वा एवं शिवानी में पूर्वा, ईशा और हिलेरी में हिलेरी अग्रवाल, स्तुति द्विवेदी एवं अयान उज्जैनिया, आशीष पांडे एवं सोहित सिद्दीकी में आशीष पांडे, नवीन कुंडू एवं आस्तिक तिवारी में नवीन कुंडू, समृद्धि सेन एवं पारसी में पारसी, ऐश्वर्या पांडे एवं ध्रुव में ध्रुव, पीयूष नवलानी एवं मोहित पांडे में पीयूष नवलानी, आर्यन ठाकुर एवं अनमोल गुरबानी में अनमोल गुरबानी विजयी रहे।

समाचार लिखे जाने तक क्वार्टर फाइनल के मैच कंप्लीट हो चुके थे, आज बालिकाओं के सेमीफाइनल मैच खेले जाने हैं, प्रतियोगिता में शिबू मैथ्यू, अश्वनी मालवीय, पंकज कोरी, सुमित बरमैया तकनीकी के रूप में उपस्थित रहे। सोहेब सिद्दीकी, हर्ष श्रीवास्तव, हर्षल चौरे, अमन खड़े सफल आयोजन में निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। कल सभी ग्रुप के फाइनल में खेले जाएंगे एवं शाम 6 बजे समापन एवं पुरकार वितरण समारोह का आयोजन होगा।

सीएमओ पटले को दी भावभीनी विदाई

- नगर के विभिन्न संगठनों ने किया सम्मान
- तीन वर्ष के कार्यकाल की सराहना की
- नर्मदांचल की ओर से किया सम्मान समारोह

इटारसी, देशबन्धु। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती हेमेश्वरी पटले का इटारसी से नरसिंहपुर स्थानांतरण होने पर उनको यहां भावभीनी विदाई दी गई। विदाई एवं सम्मान समारोह साईंकृपा मैरिज गार्डन सोनासांवरी रोड में हुआ, जहां शहर के एक दर्जन से अधिक संगठनों ने श्रीमती पटले का सम्मान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे थे। स्वागत भाषण नर्मदांचल की डायरेक्टर सुश्री मंजू ठाकुर ने, संचालन चंद्रेश मालवीय ने और आभार प्रदर्शन रोहित नागे ने किया।

कार्यक्रम में डीएचए से, कन्हैया गुरयानी, शिरीष कोठारी, मयंक जेम्स, गरीबी उस्ताद, संयुक्त व्यापार महासंगठन अध्यक्ष धर्मदास मिहानी, सोपास से नीलेश जैन, नटवर पटेल, श्वेता वशिष्ट, गुंजन जैन, लोकेन्द्र साहू, प्रशांत चौबे, घनश्याम शर्मा, आरके गौर, मनोज पटेल और बीएल मलैया, मुस्कान से मनीष ठाकुर, क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन से जयराज सिंह भानू, मनोज राज, मानसरोवर साहित्य समिति से राजेश दुबे, सत्यम अग्रवाल, निपुण गोठी, सभापति पार्षद मनजीत कलोसिया, मददगार आर्मी से आरिफ खान, डॉ. राकेश बतरा, डॉ.विजयंत बड़कुल, मेहरा समाज महासंघ से गणेश उपरारिया, कमल बड़गोती, सौरभ मेहरा सहित बचपन, नोबल और नर्मदांचल के डायरेक्टर दीपक दुगाया सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

संबोधित करते हुए श्री चौरे ने कहा कि नगर पालिका में विकास की धुरी दो लोगों पर निर्भर करती है, एक सीएमओ और दूसरा अध्यक्ष। इन दोनों में बेहतर तालमेल ही विकास के पहिये तो तेजी से घुमाता है। श्रीमती पटले के साथ विगत एक वर्ष का कार्यकाल बिना चिंता के गुजरा है। इनके कार्यकाल में अधिकारी-कर्मचारी पूरे वक्त कार्यालय में रहे, कार्यालय में अनुशासन, फाइलें बारीकी से अध्ययन होने के बाद ही हमारे टेबिल तक पहुंचती थीं। उन्होंने श्रीमती पटले को आगे की सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं।

संबोधित करते हुए नर्मदापुरम पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद पगारे ने कहा कि पहली बार शहर में देखा कि किसी सीएमओ को सम्मान करके विदाई दी जा रही है। जो अधिकारी अपनी ड्यूटी को बेहतर तरीके से निभाता है, उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ तो ऐसे काम किये होंगे कि उनको शहर विदाई दे रहा है। सोपास के प्रदेश प्रवक्ता शिव भारद्वाज ने कहा कि श्रीमती पटले ने शिक्षा के क्षेत्र में काफी सहयोग दिया है। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष जितेन्द्र ओझा ने कहा कि समाज के कामों में व्यवस्था की बात हो, सहजता से सीएमओ श्रीमती पटले ने पूर्ण करायी। जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष प्रशांत जैन ने गांधी मैदान में व्यवस्था, हॉकी टूर्नामेंट में सहजता से सहयोग के लिए उनको धन्यवाद दिया और उनके आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। मानसरोवर साहित्य समिति के विनोद कुशवाह ने संबोधित करते हुए सीएमओ श्रीमती पटले के कार्यकाल की तारीफ की। लायंस क्लब कपल के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र गुप्ता ने भी श्रीमती पटले के काम करने के तरीके की तारीफ की। मोहल्ला समिति के सदस्य और नगर पालिका में सभापति राकेश जाधव ने श्रीमती पटले की स्वच्छता को लेकर चिंता और कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

इन संगठनों ने किया सम्मान- जिला हॉकी संघ, संयुक्त व्यापार महासंगठन, सोपास और प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन, मुस्कान संस्था, क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन, मोहल्ला समिति, मानसरोवर साहित्य समिति, साईंकृष्णा रिसोर्ट, एलकेजी, मददगार आर्मी, सर्व ब्राह्मण समाज, लायंस क्लब कपल, बचपन प्ले स्कूल, नोबल कम्प्यूटर सर्विसेज, नर्मदांचल डॉट कॉम और मेहरा समाज महासंघ, इटारसी-नर्मदापुरम।

मनोचिकित्सकों की संगोष्ठी में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा-

गरीब और वंचितों का सेवा भावना से करें उपचार

माह में एक बार नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान करें

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे सेवा भावना के साथ गरीब और वंचित वर्गों का उपचार करें। माह में कम से कम एक बार ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों और वंचित बस्तियों में नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करें। मनोचिकित्सक का उपचार व्यक्ति को उसके रिश्तों, कैरियर और जीवन के विभिन्न आयामों में सुधार कर उसे खुशहाल जिन्दगी देता है। उन्होंने अपेक्षा की कि संगोष्ठी मनोरोग के पीड़ित गरीब और वंचित वर्गों की सेवा भावना के साथ मदद और उपचार पथ के प्रदर्शन में सफल होगी। श्री पटेल आज नेशनल यंग सायक्याट्रिस्ट द्वारा हैश टैग मेंटल हेल्थ पर आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्र और समाज की गतिविधियों का सुचारू संचालन नागरिकों की शारीरिक, मानसिक क्षमताओं के साथ सामाजिकता की सम्पूर्ण स्थिति में स्वस्थ होने पर निर्भर करता है। आज समाज के सभी क्षेत्रों और वर्गों में आत्महत्या की घटनाएँ निरंतर सुनाई दे रही है। यह तेजी से उभर रहे मानसिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। भारत सरकार द्वारा मानसिक रोगियों की गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकारों को सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति, मानसिक स्वास्थ्य देख भाल अधिनियम 2017 और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपचार, पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जन-जागरूकता और प्राथमिक देख-भाल में सामुदायिक सहभागिता के साथ प्रयास किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने संगठन के सभी सदस्यों से कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, आंगनवाड़ी, पंचायत पदाधिकारियों, पुलिस एवं अन्य ग्राम स्तरीय कर्मचारियों, शिक्षित व्यक्तियों के संवेदीकरण के प्रयासों में आगे आएं। संगोष्ठी में आयुष एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों की सहभागिता से रोग चिन्हांकन, प्राथमिक देखभाल प्रयासों की संभावनाओं की तलाश करें। उन्होंने समाज में मनोरोगों की रोकथाम और उपचार प्रयासों के लिए मनोचिकित्सकों के वैचारिक विमर्श को सराहनीय और समय की आवश्यकता बताया है।

विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. बी.एन. गंगाधर ने कहा कि मनोचिकित्सा के क्षेत्र में पूर्व की तुलना में आशावादी और बेहतर भविष्य का परिदृश्य बन रहा है। मनोचिकित्सा के विशेषज्ञों और विद्यार्थियों की संख्या में करीब 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। समाज में प्रचलित भ्रांतियों में कमी हुई है। मनोरोगों की उपचार पद्धति में योग जैसी पारंपरिक पद्धतियों के सम्मेलन से उपचार प्रबंधन बेहतर हुआ है।

इंडियन सायक्याट्रिक सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने जीवन के सभी क्षेत्रों में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल टेक्नोलॉजी विकास के सहचर हो सकते है, मार्गदर्शक कभी नहीं बन सकते। जरूरी यह है कि तकनीक का पूर्ण चेतना के साथ उपयोग किया जाए। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.एन साहू ने बताया कि संगोष्ठी में मनोचिकित्सा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की संभावनाओं, सीमाओं और चुनौतियों पर चिंतन किया जाएगा। आत्महत्या, नशाखोरी जैसी समस्याओं के समाधान के प्रयासों पर शिक्षकों, अनुभवी चिकित्सकों और युवा चिकित्सकों का संवाद मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती में नए उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। आयोजन समिति सचिव डॉ. समीक्षा साहू ने धन्यवाद ज्ञापन में बताया कि संगोष्ठी से अनुभवी चिकित्सकों और युवा चिकित्सकों को संवाद का मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने संगठन के प्रतिनिधि के रूप में माह में एक बार गरीब और वंचित वर्ग को नि:शुल्क चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान करने का आश्वासन दिया। प्रारंभ में अतिथियों का पुष्प-गुच्छ से स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किये गये।

मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ में माधवराव सिंधिया की प्रतिमा का किया अनावरण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया ने पूरा जीवन भारत माता के लिए समर्पित किया। वे रेल मंत्री रहे और उन्होंने भारत में शताब्दी एक्सप्रेस आरंभ कर एक नए युग की शुरूआत की। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री, पर्यटन मंत्री और मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में भी देश की अभूतपूर्व सेवा की। उनके श्रीचरणों में श्रद्धा के सुमन अर्पित हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान टीकमगढ़ सर्किट हाऊस में स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण कर रहे थे। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत तथा अन्य मंत्री और जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम यह संकल्प लेते हैं कि राजमाता से लोकमाता के रूप में प्रदेशवासियों के मन में वास करने वाली श्रद्धेय विजयाराजे सिंधिया और बड़े महाराज स्व. माधवराव सिंधिया ने प्रदेश के विकास के लिए जो संकल्प लिए, उन्हें हम अधूरा नहीं रहने देंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रतिमा स्थापना में सहयोग देने वालों का आभार माना।

उन्मेष का तीसरा दिन

साहित्यकारों ने भारत की साहित्यिक विरासत पर किया मंथन

भोपाल, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष उत्कर्ष के तीसरे दिन शनिवार को 20 साहित्यिक कार्यक्रम और 12 राज्यो के लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। उन्मेष में 134 रचनाकारों ने अपनी रचनात्मक उपलब्धियों को पाठकों से बांटा। भारत की साहित्यिक विरासत, भारत में कहानी सुनाने की परंपरा, स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारिता की भूमिका, फंतासी और विज्ञान कथा साहित्य, बाल साहित्य का अनुवाद और विदेशी भाषाओं में भारतीय साहित्य के प्रचार-प्रसार पर चर्चाएं की। प्रमुख साहित्यकार और कवि गण सर्व श्री रघुवीर चौधरी,नंद किशोर आचार्य, बद्री नारायण ,सुदीप सेन, हरीश त्रिवेदी ,अरुण कमल,दामोदर मावजो , केसरी लाल वर्मा, राम कुमार मुखोपाध्याय, निर्मल कांति भट्टाचार्य, तपन बंदोपाध्याय वीणा ठाकुर, यशोधरा मिश्र और साधना शंकर आदि ने भागीदारी की।

फंतासी और विज्ञान कथा साहित्य : फंतासी और विज्ञान कथा साहित्य का सत्र साधना शंकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सत्र में चित्रा दिवाकारूनी ने कहा कि फेंटेसी लेखन हमें दैवीय शक्तियों से भी संवाद करने की स्वीकृति देता है। जबकि सामान्य लेखन में यह संभव नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि विज्ञान कल्पना के कारण ही महाभारत और रामायण की भी दुनिया एक नए रूप में हम सबके सामने आ रही है।

हाशिए के नीचे भी हैं लोग : सत्र की अध्यक्षता के. इनोक ने की एवं कल्याणी ठाकुर, श्योरज सिंह बेचैन, लक्ष्मण गायकवाड और पी. शिवकामी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। के. इनोक ने कहा कि दलितों को ताकत शिक्षा से मिलती है और कई बार केवल श्रम उतना सम्मान नहीं दिला पाता। दलित लेखक लगातार सबसे प्यार साझा कर रहे हैं अत: जरूरत है कि मुख्य धारा का समाज भी हमारा सहयोग करे और हमें मानवीय स्तर पर एक महसूस करने की कोशिश करे। श्योरज सिंह बेचैन, ने रविंद्र नाथ टैगोर के कथन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि सच महसूस करने के बाद ही लिखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दलित साहित्य को प्रमाणित और विश्वसनीय माना जाना चाहिए न कि उस पर प्रश्न खड़े किए जाएं। लक्ष्मण गायकवाड़ ने कहा कि हाशिए के लोगों से नीचे भी हाशिए के लोग हैं जिनको काफी समय से अनदेखा किया जा रहा है।

गाथा लोक साहित्य की : सत्र की अध्यक्ष श्री केसरी लाल वर्मा ने कहा कि लोक कथाओं के पात्रों का विन्यास बहुत व्यापक होता हैं और उससे हम न केवल लोक जीवन से बल्कि प्रकृति और जीवित पशु पक्षियों को भी जोड़ पाते हैं। कपिल तिवारी ने लोक साहित्य की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नवाचार की शक्ति सबसे ज्यादा लोक साहित्य में है और हमें उसकी तरफ ध्यान देना चाहिए। उन्होंने लोकगीतों को आत्मा की अभिव्यक्ति की संज्ञा देते हुए कहा कि हमें अपने समृद्ध लोक को कभी नहीं भूलना चाहिए।

उत्कर्ष में 12 राज्यों के लोक नृत्य का हुआ मंचन

बाल साहित्य के अनुवाद के संबंध में आयोजित सत्र में दिविक रमेश ने कहा कि जो भी अनुवाद हो वह कृतिम अनुवाद नहीं होना चाहिए और उसे हमेशा मूल के नजदीक होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि बाल कविताएं कम अनुदित होती है जो उचित नहीं है। साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश के निदेशक श्री विकास दवे ने कहा कि बाल साहित्य के साथ-साथ उसका अनुवाद क्षेत्र भी उपेक्षित है और उसके क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद का बढ़ावा देना चाहिए।

गुदुम बाजा के साथ हुआ उत्कर्ष का समापन : उत्कर्ष के आखिरी दिन 12 राज्यों ने अपने लोक नृत्य और जनजातीय नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी। तीन दिवसीय राष्ट्रीय उत्सव का समापन मध्यप्रदेश के गुदुम बाजा नृत्य के साथ हुआ।

गौरीकुंड में भूस्खलन में लापता लोगों की संख्या बढ़कर 23 हुई

रुद्रप्रयाग/देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में भगवान शंकर के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ मंदिर जाने के अंतिम पड़ाव गौरीकुंड में गुरुवार देर रात भूस्खलन के बाद लापता व्यक्तियों की पुष्ट संख्या शनिवार को 23 हो गई है। इनमें तीन के शव शुक्रवार को बरामद कर लिए गए, जबकि अभी 20 लोगों की तलाश तीसरे दिन भी जारी रही।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने शनिवार शाम बताया कि गौरीकुंड भू-स्खलन से लापता/ मृत व्यक्तियों की संख्या 23 हो गई है। उन्होंने बताया कि स्थानीय व्यक्तियों द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर, उक्त लापता व्यक्तियों में नेपाल मूल के 17, जनपद रुद्रप्रयाग के चार, अन्य राज्य के दो लोगों सहित कुल संख्या 23 है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को जो तीन लोगों के शव बरामद हुए हैं, उनके नाम पूर्व जारी सूची में शामिल नहीं थे। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों द्वारा की गई शिनाख्त के अनुसार तीनों व्यक्ति नेपाल मूल के हैं। जिनमें देवी बहादुर, टेक बहादुर व प्रकाश टम्टा शामिल हैं। रजवार ने बताया कि अभी भी अन्य 20 लापता व्यक्तियों में आशु उम्र 23 साल निवासी जलई, प्रियांशु चमोला पुत्र कमलेश चमोला, 18 साल, निवासी तिलवाड़ा, रणबीर सिंह, 28 साल, निवासी बस्टी, अमर बोहरा पुत्र मान बहादुर बोहरा, निवासी नेपाल, अनिता बोहरा पत्नी अमर बोहरा, उम्र 26 साल, निवासी नेपाल आदि हैं। राधिका बोहरा पुत्री अमर बोहरा, 14 साल, निवासी नेपाल, पिंकी बोहरा पुत्री अमर बोहरा, उम्र 8 साल, निवासी नेपाल, पृथ्वी बोहरा पुत्र अमर बोहरा, उम्र 7 साल, निवासी नेपाल, जटिल पुत्र अमर बोहरा, उम्र 6 साल, निवासी नेपाल, वकील पुत्र अमर बोहरा, उम्र 3 साल, निवासी नेपाल हैं।

मुनव्वर राणा के घर लाखों की चोरी, 40 लाख के जेवरात ले गए चोर

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में रहने वाले मशहूर शायर मुनव्वर राणा के घर से 40 लाख रुपये की चोरी हुई है। इस मामले में पुलिस से नामालूम मुल्जिमों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, चोरों ने वारदात को उस वक्त अंजाम दिया है, जब शायर मुनव्वर राणा हॉस्पिटल में एडमिट हैं।

पिछले कुछ दिनों से मुनव्वर राणा की तबीयत लगातार खराब चल रही है। इसकी वजह से वे अस्पताल में भर्ती हैं और इलाज चल रहा है। इस बीच उनके घर चोरी की खबर सामने आई है। यह वारदात हुसैनगंज थाना इलाके के एफआई ढींगरा अपार्टमेंट में हुई है। आरोप है कि घर में रखी करीब 40 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरों ने पार कर दी। एक तरफ मुनव्वर राणा का इलाज चल रहा है और दूसरी तरफ उनके घर पर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया गया है। परिवार के लोग उनकी देखरेख के लिए हॉस्पिटल में हैं। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर में सेंधमारी की। बताया जा रहा है कि, यह चोरी 1 या 2 लाख की नहीं बल्कि 40 लाख रुपये की ही है। बता दें कि मुनव्वर राणा का स्वास्थ्य काफी समय से सही नहीं है।

मुनव्वर राणा की तबीयत मई महीने में भी बिगड़ गई थी। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। ज्वेलरी उनकी बेटी फौजिया राणा की थी जिन्होंने यह बैग में रखकर स्टोर रूम में रखी हुई थी। मुनव्वर राणा बीमार चल रहे हैं और वह लखनऊ के पीजीआई में एडमिट हैं। बता दें कि, मुनव्वर राणा को साल 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चुनावी वादा किया पूरा

कर्नाटक में 2 सौ यूनिट तक बिजली फ्री

कलबुर्गी/कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने अपना चुनावी वादा पूरा करते हुए 200 यूनिट तक फ्री बिजली देने का ऐलान किया है। सरकार ने शनिवार को कलबुर्गी शहर में गृह ज्योति मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की। सरकार की इस योजना से करीब 2.14 करोड़ परिवारों को फायदा मिलेगा। कांग्रेस सरकार ने कहा कि गृह ज्योति योजना से करीब 2.14 करोड़ परिवार मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठा सकेंगे।

इस योजना के लिए लगभग 1.41 करोड़ लोग पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं। यह योजना एक जुलाई को लागू की गई थी। राज्य में हर घर के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना शुरू करने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अब वह भाजपा शासित राज्यों में मुफ्त योजनाओं को लागू करे। कलबुर्गी में एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि लोग गुजरात मॉडल के बारे में बहुत बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें गुजरात मॉडल की जरूरत नहीं है। हमने कर्नाटक मॉडल शुरू किया है। पांचों गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। विपक्ष अफवाह फैला रहा है। पीएम ने कहा था कि अगर गारंटी योजनाएं लागू की गईं तो राज्य दिवालिया हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने शक्ति योजना शुरू की है, जिससे महिलाएं पूरे राज्य में सरकारी स्वामित्व वाली बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि गृह लक्ष्मी योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके तहत बीपीएल परिवारों की सभी महिला मुखिया को 2,000 रुपये भत्ता दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा निधि योजना के लिए भी आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके तहत स्नातक और डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 3,000 रुपये और 1,500 रुपए भत्ता दिया जाएगा। सरकार ने अन्न भाग्य योजना भी शुरू की है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह भी घोषणा की है कि 24 अगस्त से गृह लक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के 1.28 परिवारों को इस योजना के तहत 2,000 रुपए का भत्ता मिलेगा।

बुनियादी ढांचा का विकास केंद्र सरकार का मुख्य फोकस : शाह

भुवनेश्वर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचे का विकास मोदी सरकार का मुख्य फोकस रहा है।

शाह ने यहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की मौजूदगी में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास के बिना देश में कोई भी विकास संभव नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि 2022-2023 के दौरान हर दिन 22 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क बिछाई जाएगी जबकि 2014-15 के दौरान महज 12 किमी सड़कों का निर्माण होता था। ओडिशा के कामख्यानगर और दुबुरी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 53 पर 51 किलोमीटर लंबे 4-लेन खंड का उद्घाटन करते हुए श्री शाह ने कहा कि यह सड़क ओडिशा के खनिज समृद्ध अंगुल एवं ढेंकनाल जिलों को राष्ट्रीय राजमार्गों तथा देश से जोड़ेगी जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा राष्ट्रीय राजमार्ग का 51 किलोमीटर लंबा 4-लेन वाला हिस्सा 761 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और इसमें दो प्रमुख पुल, सात छोटे पुल, सात अंडरपास, दो पशु अंडरपास तथा 1.73 किलोमीटर लंबा बाईपास है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कालाहांडी जिले में मोटेर से बानरविया वाया लाडुगांव सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की भी आधारशिला रखी। इस अवसर पर पटनायक ने कहा कि बीजू एक्सप्रेसवे, आर्थिक गलियारा क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा कनेक्टिविटी को महत्व दिया है क्योंकि यह प्रगति और सशक्तिकरण की कुंजी है। शाह नई दिल्ली रवाना होने से पहले ओडिशा भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ भी बैठक करेंगे और उनके साथ 2024 के लोकसभा के साथ-साथ राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

पिछले एक दशक में नुकसान 163 प्रतिशत बढ़ा

तस्करी से सरकारी खजाने को लग रहा चूना

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक दशक में 2010 से 2020 तक तस्करी से केंद्र सरकार को होने वाला नुकसान चिंताजनक रूप से 163 प्रतिशत बढ़ गया है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। 'अवैध बाजार' शीर्षक से जारी 2022 फिक्की कैस्केड अध्ययन के अनुसार, केंद्र सरकार को तस्करी के कारण भारी कर हानि का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2010 से 2020 तक इसमें 163 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है। पांच महत्वपूर्ण उद्योगों पर तस्करी का वित्तीय प्रभाव 22,230 करोड़ रुपये से बढकर 58,521 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इनमें मादक पेय, मोबाइल फोन, एफएमसीजी-घरेलू और व्यक्तिगत सामान, एफएमसीजी-पैक खाद्य पदार्थ और तंबाकू उत्पाद शामिल हैं।

इस बीच, अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी के खिलाफ फिक्की समिति (कैस्केड) ने अवैध व्यापार के खिलाफ अपना मुहिम तेज कर दिया है। अभियान के हिस्से के रूप में लोगों से जुड़ने और अवैध व्यापार के हानिकारक परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक ऑटो रैली का आयोजन किया गया। तानसेन मार्ग पर फिक्की हाउस से 250 से अधिक ऑटो रिक्शा एक निर्धारित मार्ग से गुजरे।

ऑटो रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए फिक्की यंग लीडर्स फोरम, यूपी चैप्टर के अध्यक्ष नीरज सिंह ने कहा 'तस्करी और जालसाजी न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा डालती है, बल्कि हमारे युवाओं के भविष्य को भी खतरे में डालती है। पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और अंतत: दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें एकजुट होना होगा और इस महत्वपूर्ण मुद्दे के खिलाफ जागरूकता बढ़ानी होगी। मैं इस अभियान को शुरू करने के लिए फिक्की कैस्केड के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं और अपने सभी ऑटो चालक भाइयों को दिल से धन्यवाद देता हूं जो इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं।' रिपोर्ट के अनुसार, 2010 से 2020 के दशक के दौरान अवैध शराब उद्योग से सरकार को होने वाले कर घाटे में 508 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि देखी गई, जबकि एफएमसीजी पैकेज्ड फूड उद्योग से कर घाटे में 201 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और तम्बाकू उद्योग से नुकसान 113 प्रतिशत आंका गया था।

ईडी की सेंथिल के सहयोगी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में जेल में बंद तमिलनाडु के मंत्री टी. सेंथिल बालाजी के एक करीबी सहयोगी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। इस दौरान ईडी ने 22 लाख रुपए नकद, 16.6 लाख रुपये मूल्य का कीमती सामान और 60 बेनामी संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए। यह जानकारी ईडी ने शनिवार को दी। एसटी समिनाथन से जुड़े नौ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। सेंथिल बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। वह वर्तमान में जेल में बंद हैं। ईडी ने घोटाले से संबंधित चेन्नई में केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर पीएमएलए जांच शुरू की थी। जांच के दौरान, खुफिया सूचनाओं से संकेत मिला कि समिनाथन के पास आपत्तिजनक दस्तावेज, अपराध से प्राप्त आय थी और उसने उन्हें छिपाने का प्रयास किया था। ईडी ने कहा कि नतीजतन, उसके परिसरों पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान पता चला कि समिनाथन की एक रिश्तेदार शांति (सिस्टर-इन-लॉ) समिनाथन की बेनामी के रूप में काम कर रही है और उसे दस्तावेजों एवं कीमती सामान से भरे बैग ले जाते देखा गया था। परिणामस्वरूप, जांच टीमों ने शांति के परिसर को कवर किया।

नकदी और कीमती सामान जब्त

स्कूल बस पलटी, 25 बच्चे चोटिल

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के फफूंद क्षेत्र में शनिवार को एक स्कूली बस के पलटने से उसमें सवार करीब 25 बच्चे चोटिल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के कस्बा अछल्दा स्थित मार्शल हेराल्ड पब्लिक स्कूल की बस सुबह बच्चों को लेने गांव जा रही थी। बस फफूंद थाने के गांव भैंसोल के पास पहुंची कि अनियंत्रित होकर खेत में जा गिरी। हादसे के चलते बच्चों की चीख पुकार मच गई। ग्रामीण दौड़े और कड़ी मशक्कत कर बच्चों को बाहर निकाला।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।